mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-199 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
19 जुलाई 2024 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

शुभमन गिल के ...
@ पेज 7

जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 4 दिन में दोबारा खुला

कीमती सामान स्ट्रॉन्ग रूम में शिफ्ट होगा

पुरी/नईदिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार (खजाना) गुरुवार (18 जुलाई) को एक बार फिर से खोला गया है। इस दौरान इनर रत्न भंडार में मौजूद आभषूण और कीमती सामान को अस्थायी स्ट्रांग रूम में शिफ्ट किया जाएगा। इससे पहले रविवार (14 जुलाई) को 46 साल बाद रत्न भंडार को खोला गया था, जिसमें आउटर रत्न भंडार का सामान 6 बक्सों

अब तक 6 बॉ स खजाना निकल चुका

में शिफ्ट करके सील किया गया था। मंदिर प्रशासन ने सुबह 8 बजे से मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। अधिकारियों के मुताबिक, भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के समक्ष प्रार्थना करने के बाद ओडिशा सरकार की ओर से गठित पर्यवेक्षी (सुपरविजन) कमेटी के सदस्यों ने 9 बजे मंदिर में प्रवेश किया। रत्न भंडार के खजाने को सुबह करीब 10 बजे खोला गया। अधिकारियों ने बताया कि यदि कीमती सामान को बाहर निकालने का काम आज भी पूरा नहीं हो पाता है तो तय मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत काम जारी रहेगा।

यूपी सरकार में खींचतान के बीच अखिलेश का ऑफर

कहा-100 लाओ, सरकार बनाओ; केशव की मोदी-शाह से नहीं हुई मुलाकात

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार में खींचतान के बीच डिप्टी सीएम केशव मौर्य बुधवार देर रात दिल्ली से लौट आए हैं। 2 दिन में केशव मौर्य ने दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से दो बार मुलाकात की, लेकिन उनकी पीएम मोदी और शाह से मुलाकात नहीं हो पाई।

इधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने केशव मौर्य के लखनऊ लौटने के बाद एक्स पर दो पोस्ट किए। बुधवार रात लिखा- लौट के बुद्धू घर को आए। गुरुवार सुबह लिखा- मानसून ऑफर: 100 लाओ, सरकार बनाओ।

दोनों पोस्ट में अखिलेश ने किसी का नाम नहीं लिखा। हालांकि, सियासी गलियारों में इसे केशव मौर्य से जोड़कर देखा जा रहा है। इसकी वजह यह है कि 2022 में भी अखिलेश ने सार्वजनिक तौर पर केशव मौर्य को 100 विधायकों के साथ पाला बदलने पर मुख्यमंत्री बनाने का ऑफर दिया था।2 दिन तक केशव दिल्ली में रहे। गुरुवार रात लखनऊ लौटे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में जहरीली गैस से चार लोगों की मौत, मोतिहारी में हादसे के बाद भारी बवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार के मोतिहारी में बड़ा हादसा हुआ है। चार लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नव निर्मित टॉयलेट टैंक का सेंट्रिंग खोलने के दौरान टैंक में से निकली जहरीली गैस से चार लोगों की दम घुटने से

मौत हो गई। कई लोग बेहोश हो गए हैं। इसके बाद बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई है। स्थानीय लोगों ने सभी को आनन-फानन में अनुमंडलीय अस्पताल लेकर गए। वहां पर इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं होने पर लोगों का आक्रोश भड़क गया। गुस्साए लोगों ने अस्पताल में ही तोड़फोड़ शुरू कर दी। अस्पताल के बाहर शव को रखकर हंगामा करने लगे।

जमू-कश्मीर में 3 जगह एनकाउंटर, कुपवाड़ा में 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के केरन इलाके में सेना ने एनकाउंटर में 2 आतंकियों को मार गिराया है। सेना को यहां कुछ आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

इसी दौरान आतंकियों-सेना के बीच मुठभेड़ शुरू हुई, जो अभी भी जारी है।
उधर, डोडा में भी दो जगह इनकाउंटर चल रहा है। गुरुवार तड़के आतंकवादियों के हमले में दो सैनिक घायल हो गए। सेना के अधिकारियों ने बताया कि कास्तीगढ़ इलाके के जद्दन बाटा गांव में बुधवार देर रात स्कूल में बने अस्थायी सुरक्षा शिविर पर आतंकियों ने गोलीबारी की। इसमें दो जवान घायल हुए।

हापुड़ में पुलिस-मेडिकल कॉलेज में टकराव

- एसपी-एएसपी के बाद इंस्पेक्टर को भी हटाया

गाजियाबाद (एजेंसी)। हापुड़ के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में पुलिस और डायरेक्टर के बीच का विवाद सुर्खियों में है। एसपी और एएसपी का ट्रांसफर पहले हो चुका है। अब इंस्पेक्टर को भी हटाया गया है। सीओ पर भी एक्शन

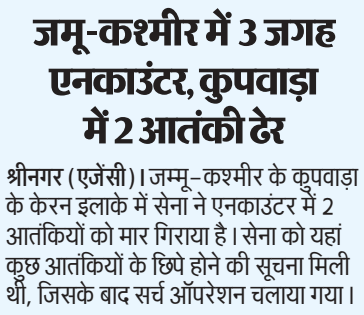

होना लगभग तय है। चर्चा है कि रामा मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर के कहने पर एसपी अभिषेक वर्मा का तबादला किया गया। मेडिकल कॉलेज में भर्ती एक महिला ने पुलिस से इलाज ठीक से नहीं होने की शिकायत की। मरीज की कॉल पर पुलिस पहुंची तो स्टाफ ने बदसलूकी की। इस पर एसपी ने मेडिकल कॉलेज डायरेक्टर को हिरासत में लेने के लिए अस्पताल में 50 पुलिसकर्मी भेज दिए।

गुजरात में चांदीपुरा वायरस, 4 और बच्चों की जान गई

मौतों की संख्या 19 हुई, अब तक 31 मामले दर्ज, 5 बच्चों का इलाज जारी

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात में चांदीपुरा वायरस से संक्रमित मरीजों के मामले बढ़ते जा रहे हैं। गुरुवार (18 जुलाई) को राजकोट में 3 और पंचमहल जिले में 1 बच्चे की मौत हो गई। इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। राज्य में अभी तक चांदीपुरा वायरस के 31 संदिग्ध केस सामने आए है, जिसमें से 5 बच्चों का इलाज चल रहा है।

- **सीएम भूपेंद्र पटेल ने बुलाई आपात बैठक-** मामले की गंभीरता को देखते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार दोपहर को आपात बैठक बुलाई। उन्होंने राज्य में चांदीपुरा वायरस की स्थिति और महामारी को नियंत्रित करने के लिए किए गए उपायों की जानकारी भी ली। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुई इस बैठक में जिला कलेक्टरों और जिला विकास अधिकारियों के साथ-साथ मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी भी मौजूद रहे।
- **राजकोट जिले में अब तक 5 बच्चों की मौत-** राजकोट जिले में ही अब तक 5 संदिग्ध मरीजों की मौत हो चुकी है। इसमे मोरबी की राशि प्रदीप सहरिया को 12 जुलाई को राजकोट सिविल में भर्ती कराया गया था, जिसकी 14 जुलाई को मौत हो गई। पडधारी के हड़मतिया के 2 साल के प्रदीप गोविंदभाई राठौड़ को 9 जुलाई को भर्ती कराया गया

था और 15 जुलाई को उसकी मौत हो गई। जैतपुर के हुमाया गांव के 8 वर्षीय कालू चंपूलाल को

चांदीपुरा वायरस या है

इस वायरस का पहला मामला 1965 में महाराष्ट्र के नागपुर जिले के चांदीपुर में सामने आया था। इस वायरस से महाराष्ट्र, गुजरात और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाके प्रभावित हुए थे। वायरस से रोगी मस्तिष्क ज्वर (एन्सेफेलाइटिस) का शिकार हो जाता है। वायरस मच्छरों और मक्खियों के काटने से फैलता है।
वायरस किसे संक्रमित कर सकता है- चांदीपुरा वायरस खासतौर पर बच्चों को अपना निशाना बनाता है। यह मुख्य रूप से 9 महीने से 14 साल के बच्चों को प्रभावित करता है। संक्रमण तब फैलता है, जब वायरस मक्खी या मच्छर के काटने पर उनके लार के जरिए रक्त तक पहुंच जाता है। इससे बच्चों के तेज बुखार और सिरदर्द होता है।

उ.प्र.में डिब्रूगढ़ एसप्रेस पटरी से उतरी

4 की मौत, 2 यात्रियों के पैर कटे, 20 से ज्यादा घायल

- बोगियां बिखरीं, शीशे तोड़कर बाहर निकले लोग, चारपाई पर ले गए अस्पताल
- एक्सीडेंट के पहले ड्राइवर ने सुनी धमाके की आवाज
- मृतकों के पीड़ितों को 10-10 लाख का मुआवजा

लखनऊ/गोंडा (एजेंसी)। यूपी के गोंडा में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की 3 एसी समेत 12 बोगियां पटरी से उतर गईं। इनमें 3 पलटी खा गईं। हादसे में 4 यात्रियों की मौत हो गई, 25 घायल हैं। हालांकि पहले 5 यात्रियों की मौत की बात सामने आई

थी। 2 यात्रियों के पैर कट गए। एसडीएम मनकापुर ने इसकी पुष्टि की है। ज्यादातर घायल यात्री एसी कोच के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद यात्री खिड़की के कांच तोड़कर बाहर कूदे।

हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे अफसर मौके पर पहुंच गए। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हो गया। ट्रेन ((15904) चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही थी। हादसा झिलाही रेलवे स्टेशन के बीच गोसाई डिहवा में हुआ

है। अयोध्या से इसकी दूरी 30 किमी, जबकि लखनऊ से 130 किमी है। सीएम योगी और रेल मंत्री ने स्थिति का जायजा लिया।

लखनऊ-गोरखपुर रेल मार्ग बंद

हादसे के बाद लखनऊ गोरखपुर रेल मार्ग बंद कर दिया गया है। कई ट्रेनों को डायवर्ट करने की सूचना है।

खड़गे बोले-

पीएम और रेल मंत्री हादसे की जिम्मेदारी लें- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- यह हादसा एक उदाहरण है कि किस तरह से मोदी सरकार ने रेल सुरक्षा को खतरे में डाला है। एक महीने पहले 11 लोग की मौत हो गई थी, जब कंचनजंघा एक्सप्रेस की मालगाड़ी से टक्कर हुई थी। रेलवे कमिश्नर ने अपनी रिपोर्ट में सिग्नल फेल होना, ऑपरेशन में कई स्तर की गड़बड़ी को हादसे का कारण बताया था। पीएम नरेंद्र मोदी और उनके रेल मंत्री अपनी पब्लिसिटी के किसी भी मौके को नहीं छोड़ते हैं। उनको सीधे तौर इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हमारी एक ही मांग है कि एंटी कोलिजन डिवाइस-कवच को देशभर में रेलवे रूट में लगाया जाना चाहिए।

चारपाई पर ले गए अस्पताल

हादसा इतना भीषण है कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से 100 मीटर दूर तक गिरे हैं। एसी कोच के डिब्बों की खिड़कियों के शीशे तोड़कर यात्री बाहर आए। हादसे के विचलित करने वाले फुटेज सामने आए हैं। इसमें दो यात्रियों के पैर कटे हुए नजर आ रहे हैं। जहां हादसा हुआ वहां से चारपाई से उठाकर घायल यात्रियों को ले जाया गया।हादसे की सूचना डीएम नेहा शर्मा मौके पर पहुंच गई थी। जिले के अन्य अफसर भी पहुंच गए हैं। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नीट का रिजल्ट सिटी और सेंटर वाइज जारी हो

- एनटीए शनिवार दोपहर 12 बजे तक वेबसाइट पर अपलोड करे; अगली सुनवाई 22 जुलाई को

नईदिल्ली (एजेंसी)। नीट परीक्षा रद्द होगी या नहीं, इस पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को भी फैसला नहीं हो सका। कैंडिडेट्स को अभी और इंतजार करना होगा। आज भी 4 घंटे सुनवाई चली। इस दौरान अदालत ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह सभी कैंडिडेट्स के रिजल्ट शनिवार दोपहर 12 बजे तक वेबसाइट पर अपलोड करे। रिजल्ट सेंटरवाइज और सिटीवाइज होना चाहिए।

कोर्ट ने कहा, रिजल्ट अपलोड करते वक्त उम्मीदवार की पहचान जाहिर ना की जाए। हम सोमवार, 22 जुलाई को सुबह 10.30 बजे अगली सुनवाई शुरू करेंगे। ताकि दोपहर तक हम निष्कर्ष निकाल सकें। हम बिहार पुलिस रिपोर्ट की एक कॉपी भी चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में 18 जुलाई को तीसरी सुनवाई थी

नीट में गड़बड़ी से जुड़ी 40 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को तीसरी सुनवाई थी। इससे पहले 8 जुलाई और फिर 11 जुलाई को हुई थी।

यूपी पुलिस का आदेश-कांवड़ मार्ग पर अपना नाम लिखें दुकानदार

- मकसद- कांवड़ियों को दुकानदार का धर्म पता चल सके; अखिलेश बोले- ये सामाजिक अपराध

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 22 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा पर प्रशासन विवादों में घिरता दिख रहा है। मुजफ्फरनगर पुलिस ने 3 दिन पहले (15 जुलाई को) जारी एक आदेश में कहा था कि कांवड़ रास्ते की दुकानों में मालिक अपना नाम लिखवाएं, ताकि कांवड़ियों में कंफ्यूजन न हो। इस आदेश के बाद अब राजनीति शुरू हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने इस पर सवाल उठाए हैं।

ओवैसी ने मुजफ्फरनगर पुलिस की तुलना हिटलर से की है। वहीं, अखिलेश ने कहा- जिसका नाम गुड्डू, मुन्ना, छोटू या फत्ते है, उसके नाम से क्या पता चलेगा? कोर्ट इस मामले में स्वतः संज्ञान ले। ऐसे आदेश सामाजिक अपराध हैं। जवाब में एसएसपी ने कहा- यह परंपरा रही है और भ्रम की स्थिति से बचने के लिए ऐसा किया गया।

उ.प्र.में बारिश से 24 घंटे में 10 मौतें

- 20 जिलों में बाढ़, 60 गांव डूबे
- म.प्र.-राजस्थान समेत 17 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में नेपाल से सटे 20 जिलों में पिछले 4-5 दिनों से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। करीब 20 लाख की आबादी पानी से घिरी हुई है। राज्य में पिछले 24 घंटे में बारिश की वजह से हुई घटनाओं में 10 लोगों की मौत हुई है।

गोरखपुर में रासी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। 60 से ज्यादा गांव डूब गए हैं। यहां 3 बच्चियों की गड्ढे में डूबने से मौत हो गई है। वहीं, वाराणसी में गंगा के उफान पर होने से 15 से अधिक घाट डूब गए हैं। उधर,

बिहार में भी नेपाल से सटे इलाकों का यही हाल है। बेतिया, बगहा, सीतामढ़ी, मधेपुरा, अररिया समेत कई जिलों में बाढ़ आई है।

17 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने जिन 17 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, उनमें मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गुजरात, केरल, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा हैं। इनके अलावा गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु में भी बारिश हो सकती है।

शंकराचार्य के बयान पर भड़कीं कंगना

कहा-

राजनेता, राजनीति नहीं करेगा तो क्या गोलगप्पे बेचेगा

मंडी (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल की मंडी सीट से सांसद कंगना रनोट ने जोशीमठ (ज्योतिर्मठ) के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर पलटवार किया है। हाल ही में शंकराचार्य ने महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे को गद्दार और विश्वासघाती कहा था। इस पर अब कंगना ने कहा है कि ऐसी छोटी और ओछी बातें शंकराचार्य को शोभा नहीं देतीं। 15 जुलाई को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री पहुंचे थे।

संक्षिप्त समाचार

विदेश में उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 31 जुलाई तक किये जा सकेंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सामान्य,अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में स्नातकोत्तर एवं पीचएडी उपाधि के लिए छात्रवृत्ति योजना सत्र 2024-25 (सत्र जुलाई से दिसम्बर 2024) के अन्तर्गत आवेदन आंमत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 निर्धारित की गई है। योजनांतर्गत पात्र विद्यार्थी आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई को सायं 6 बजे तक कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय, तृतीय तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल में स्वयं अथवा वाहक अथवा डाक द्वारा द्वारा अपना आवेदन जमा कर सकेंगे। अपात्र/अपूर्ण/त्रुटिपूर्ण एवं निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन विचारणीय नहीं होंगे। अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर एवं पीचएडी उपाधि के लिए) प्राप्त करने के लिये राज्य सहायता छात्रवृत्ति में आवेदन करने के लिए विद्यार्थी, मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। विद्यार्थी का अर्हकारी परीक्षा स्नातक/स्नातकोत्तर में 60 प्रतिशत से अधिक अंक से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है और उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदित सूची में सम्मिलित विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में अध्ययन के लिये प्रवेश (ऑफर लेटर) प्राप्त करना अनिवार्य है। विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र उच्च शिक्षा विभाग की बेवसाइट पर नवीन निर्देश के अन्तर्गत विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति योजना की मार्गदर्शिका शीर्षक पर उपलब्ध है।

मदरसा बोर्ड के परीक्षा आवेदन पत्र 25 जुलाई तक भरे जा सकेंगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मदरसा बोर्ड की हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी उर्दू माध्यम परीक्षा सत्र 2024 के लिये परीक्षा आवेदन-पत्र अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से ऑनलाइन भरे गये थे अब बोर्ड ने नियत आवेदन तिथि को बढ़ाया है और बिना विलम्ब शुल्क के आवेदन- पत्र 25 जुलाई, 2024 तक भरे जा सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि-सुधार की तिथि अब 31 जुलाई, 2024 निर्धारित किया गया है। इस संबंध में बोर्ड के फोन नम्बर 0755-2735931, 2731437 और 2737362 से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

अग्निवीर के लिए विद्यार्थियों को दी फिजिकल ट्रेनिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शासकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालय बालक छात्रावास बड़वई में अध्ययनरत एवं अग्निवीर भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए आयोजित फिजिकल ट्रेनिंग का मंगलवार को समापन हुआ। लालघाटी स्थित सुल्तानिया इन्फेंट्री लाइन में अग्निवीर में भर्ती की लिखित परीक्षा में सफल हुए अभ्यर्थियों को 15 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन अभ्यर्थियों के अब फिजिकल टेस्ट आयोजित होने हैं। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास श्री सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना है।

क्लिनिक्स और पैथालॉजी की जांच निरंतर जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा क्लीनिक एवं पैथोलॉजी की जांच निरंतर जारी है। सीएमएचओ द्वारा गठित दल ने अब तक ढाई दर्जन से ज्यादा क्लीनिक एवं पैथोलॉजी सेंटर्स की जांच की है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के निर्देशों के तहत की जा रही इस कार्यवाही में निरीक्षण दलों द्वारा चिकित्सा व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों की डिग्री, चिकित्सा पद्धति, काउंसिल का पंजीयन , मप्र उपचार्यगृह एवं रूज़ोपचार संबंधी स्थापना अधिनियम, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम, गुमास्ता लाइसेंस की जांच की जा रही है। बुधवार को शासकीय अवकाश होने के वावजूद सेंटर्स की जांच जारी रही किंतु अब अधिकांश क्लिनिक्स एवं पैथोलॉजी सेंटर्स बंद पाए गए। अवैध रूप से चिकित्सा व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई हेतु पुलिस, नगर निगम, औषधि प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण मंडल को भी सूचना दी जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि निरीक्षण दलों द्वारा मंगलवार को संदिग्ध चिकित्सा व्यवसायियों के यहां जांच की गई कार्रवाई के डर से अधिकतर क्लीनिक अब बंद पाए जा रहे हैं। शासन की मंशानुरूप यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी, ताकि बिना शासन की अधिकृत अनुमति के चिकित्सा व्यवसाय कर रहे लोगों पर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जा सके। शासन द्वारा निर्धारित सभी अनुमतियां प्राप्त करने के बाद ही चिकित्सा व्यवसाय किया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

वृक्षों से आच्छादित हो हमारा परिवेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने पौध-रोपण किया और संकल्प लिया कि वे उनके द्वारा लगाए जा रहे सभी पौधों की देखभाल भी करेंगे। मंत्री श्री राजपूत ओशो हनुमान पहाड़ी, बटालियन, मकरोनिया में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत वृहद पौध-रोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री राजपूत ने कहा की मात्र पौधा लगाना मकसद नहीं है बल्कि पौधे की परिवार के सदस्य जैसी जिम्मेदारी समझते हुए देखभाल करना भी जरूरी है।

उन्होंने इस अभियान को स्वच्छता मिशन से जोड़ते हुए कहा कि हम यदि स्वच्छ वायु, ऑक्सीजन, स्वच्छ वातावरण चाहते हैं तो वृक्षों का उसमें सबसे अहम योगदान है। हमारा वातावरण स्वच्छ रहे इसके लिए हमारा परिवेश वृक्षों से आच्छादित होना आवश्यक है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार समाज का हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए पौध-रोपण कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज हम

जो पौधा रोप रहे हैं वह कल हमारा सच्चा मित्र बनकर बड़ा होगा, जो हमें फल, छाया के साथ स्वच्छ वातावरण भी देगा। इसलिए पौधे के लिए आवश्यक पानी, खाद सभी उचित मात्रा में मिले, इसकी भी व्यवस्था करें। हम अपने मां, पिता के नाम पर पेड़ लगाते हैं और हमारे द्वारा आज लगाए गए पौधे वर्षों तक जीवित रहकर उनका स्मरण कराते हैं। विधायक श्री प्रदीप लारिया ने कहा कि प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है और हमें भी प्रकृति को देने की आवश्यकता है। एक पेड़ मां के नाम अभियान हमें यह अवसर देता है कि प्रकृति के प्रति हम अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में भी वृक्ष पूजनीय हैं।

वे हमें जीवन जीने के लिए अति आवश्यक आक्सीजन प्रदान करते हैं। हम सभी आगे आएं और एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल भी करें। नगर पालिका मकरोनिया के अध्यक्ष श्री मिहीलाल अहिरवार ने आभार व्यक्ति किया। इस अवसर पर सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, जनप्रतिनिधि, सागर संभाग के कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत, पुलिस महा निरीक्षक श्री प्रमोद वर्मा, कलेक्टर श्री दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक तिवारी, नगर निगम कमिश्नर श्री राजकुमार खत्री सहित छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

मप्र में पांच हजार पदों पर होगी होमगार्ड जवानों की भर्ती

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश होमगार्ड में 15 वर्ष बाद फिर भर्ती होने जा रही है। अगले चार वर्ष में चरणबद्ध तरीके से पांच हजार पद भरे जाएंगे। नई भर्ती के साथ ही भर्ती नियम भी बदलने की तैयारी है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि अब उन्हें प्रदेश में कहीं भी स्थानांतरित किया जा सकेगा। अभी तक पूरे सेवाकाल में उनकी पदस्थापना किसी एक जिले में ही रहती है। होमगार्ड के जवानों को ही राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) में भेजा जाता है। आपदा में उनकी कहीं भी आवश्यकता पड़ जाती है, इस कारण भर्ती नियम इस तरह बनाए जा रहे हैं कि उन्हें कहीं भी पदस्थ किया जा सके। यहां तक कि आवश्यकता होने पर सहायता के लिए दूसरे राज्यों में भेजा जा सके। बता दें, प्रदेश में होमगार्ड में अधिकारी-कर्मचारियों के 15 हजार पद हैं, लेकिन लंबे समय से भर्ती नहीं होने और कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने से यह संख्या 10 हजार से नीचे आ गई है। अधिकारियों ने बताया कि होम गार्ड को डाइंग काडर बना दिया गया था, यानी जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे थे उनकी जगह नई भर्ती नहीं की जा रही थी। इसी कारण वर्ष 2009 के बाद से भर्ती ही नहीं हुई। वर्ष 2016 में 2600 जवानों की भर्ती अस्थायी तौर पर सिर्फ सिंहस्थ के लिए की गई थी, बाद में उन्हें नियमित सेवा में शामिल कर लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि उनकी सेवा शर्तें भी बहुत सुधर गई हैं। जिला पुलिस बल में आरक्षक के लगभग बराबर ही उन्हें प्रारंभिक वेतन मिलता है। ग्रेड-पे और वेतनमान का लाभ भी मिलता है। वेतनवृद्धि जरूर जिला पुलिस बल की तरह नहीं होती। सेवा शर्तें बेहतर होने के कारण ही अब उनकी सेवा स्थानांतरणीय बनाई जा रही है।

ई-बसों को खड़ा करने के लिए 120 करोड़ रुपए से 6 शहरों में बनेंगे डिपो

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के 6 शहरों में जल्द ही 552 ई-बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। पहले फेज में 442 ई-बसें आएंगी। निकायों में इन बसों को खड़ा करने के लिए 120 करोड़ की लागत से डिपो बनाए जाएंगे।

50 ई-बसों के लिए ढाई एकड़ भूमि पर एक डिपो बनाया जाना है। सभी छह शहरों में निकायों ने 10 डिपो बनाने के लिए जगह का चयन कर लिया है। इसका प्रस्ताव नगरीय प्रशासन विभाग को भेज दिया गया है। इस परियोजना में डिपो बनाने के लिए 60 प्रतिशत राशि भारत सरकार दे रही है। शेष 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार

देगी। बस ऑपरेटर बस की मेंटेनेंस के साथ प्रतिदिन 180 से 200 किलोमीटर तक बसों का संचालन करेगा। चाहे बस में सवारी हों या न हों, बस आपरेटर को रोजाना निर्धारित किलोमीटर के हिसाब से बसें चलानी होगी। इसके हिसाब से निकायों को बस आपरेटर को भुगतान करना पड़ेगा। वहीं, केंद्र सरकार प्रति बस प्रति किलोमीटर 22 रुपये सब्सिडी भी देगी, शेष राशि निकायों को देनी होगी।

पीएम स्वनिधि योजना में मप्र शीर्ष पर, 12 लाख हितग्राहियों को बांटा 21 करोड़ रुपये ऋण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश ने पीएम स्वनिधि योजना में 11 लाख 95 हजार से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण वितरित कर देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इनमें से 8 लाख 38 हजार स्ट्रीट वेंडर डिजिटली लेन-देन कर रहे हैं। इन स्ट्रीट वेंडरों को करीब 21 करोड़ रुपये की नकद राशि बैंक से ऋण के रूप में प्राप्त हुई है। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं राज्यमंत्री तोखन साहू 18 जुलाई को यानी आज नई दिल्ली में प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई को सिस्टमेटिक प्रोग्रेसिव एनेलेटिकल रियल टाइम रैंकिंग अवार्ड (स्पार्क) प्रदान करेंगे। अवार्ड समारोह इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश में स्वरोजगार की यह महत्वाकांक्षी योजना वर्ष 2020 जुलाई से पथकर विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए संचालित की जा रही है। स्टेट मिशन डायरेक्टर पीएम स्वनिधि तथा

एनयूएलएन कैलाश वानखेड़े ने बताया कि मध्यप्रदेश में इस वर्ष सर्वाधिक प्रकरणों की स्वीकृति कर राशि का वितरण किया गया है।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत 10, 20 एवं 50 हजार रुपये के ऋण चरणवार पथ विक्रेताओं को स्वीकृत किए गए हैं। पुरस्कार समारोह में नगरीय निकाय उज्जैन, खरगौन एवं सारणी को पीएम स्वनिधि में और नगरीय निकाय जबलपुर, सीधी, मंदसौर एवं इटारसी को डे-एनयूएलएम योजना के तहत पुरस्कृत किया जायेगा। कार्यक्रम में पीएम स्वनिधि योजना से लाभान्वित दो शहरी पथ विक्रेताओं और दो स्वसहायता समूहों को भी सम्मानित किया जाएगा।

दो साल से सीआईएसएफ में चयनित युवाओं के डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन पेंडिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के लिए चयनित युवाओं के जाति प्रमाण पत्र के सत्यापन में विलंब को लेकर केंद्र सरकार ने आपत्ति जताई है। दो वर्ष पहले अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के जाति प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए भेजे गए थे, लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया ही पूरी नहीं हुई। इसी तरह 13 मामले चरित्र सत्यापन के लंबित हैं। जबकि, इसके लिए केंद्र सरकार ने एक माह की अवधि निर्धारित की है। अब इसे लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि समय सीमा के भीतर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करके प्रतिवेदन दें। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली ने 30 मई और उसके बाद मुख्य सचिव वीरा राणा को पत्र लिखकर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण का अनुरोध किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने कलेक्टरों को पत्र लिखकर कहा है कि यह प्रमाण पत्रों के सत्यापन के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। यह कार्य एक माह में हो जाना चाहिए। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। निर्धारित समयावधि में सत्यापन नहीं किए जाने या चूक जाने पर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मच्छरजनित बीमारियों में मलेरिया सबसे प्रचलित बीमारी, बचाव के लिए जन-जागरूगता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए निरंतर जन-जागरूगता कार्य किया जा रहा है। मच्छरजनित बीमारियों में मलेरिया सबसे प्रचलित बीमारी है। यह बीमारी मादा एनाफिलीज़ मच्छर के काटने से होती है। ठंड लगकर बुखार आना मलेरिया का प्रमुख लक्षण हैं। मलेरिया की जांच एवं दवाईयां सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में नि:शुल्क प्रदान की जाती है। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं से संपर्क कर भी जांच करवाई जा सकती है। मलेरिया के इलाज के लिए प्रमाणिक एवं सुरक्षित दवाएं उपलब्ध हैं। मच्छरों से होने वाली बीमारी डेंगू की पहचान सही समय पर ना किये जाने पर घातक रूप ले सकती है। यह बीमारी एडीज मच्छर के काटने से फेलती है। जब कोई एडीज मच्छर डेंगू के किसी रोगी को काटता है तो वह उस रोगी का खून चूसता है। खून के साथ डेंगू वायरस भी मच्छर के शरीर में प्रवेश कर जाता है। मच्छर के शरीर में डेंगू वायरस का कुछ और दिनों तक विकास होता है। जब डेंगू वायरस युक्त मच्छर किसी अन्य स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह डेंगू वायरस को उस व्यक्ति के शरीर में पहुँचा देता है। इस प्रकार वह व्यक्ति डेंगू वायरस से संक्रमित हो जाता है तथा कुछ दिनों के बाद उसमें डेंगू बुखार रोग के लक्षण प्रकट हो सकते हैं। जिस दिन डेंगू वायरस से संक्रमित कोई मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है तो उसके लगभग 3-5 दिनों बाद ऐसे व्यक्ति में डेंगू बुखार के लक्षण प्रकट हो सकते हैं। यह संक्रामक काल 3-10 दिनों तक भी हो सकता है। बारिश का मौसम कई बीमारियों के लिए खतरा बनता है, जिनमें मच्छरों से होने वाली बीमारियां प्रमुख हैं। बारिश के मौसम में पानी के जमा होने एवं गंदगी होने के कारण मच्छरों का पनपना आसान होता है। मच्छरों के काटने से डेंगू, मलेरिया, चिकिनगुनिया जैसी बीमारियां होती हैं जो कि कई बार गंभीर भी हो सकती हैं। वैज्ञानिकों ने इस बात का पता लगाया गया था कि मलेरिया रोग मच्छर के काटने से होता है। आमजन डेंगू, चिकिनगुनिया, मलेरिया जैसी संक्रमण बीमारियों से बचाव के उपाय निरन्तर किये जाने चाहिए। डेंगू बुखार के लक्षण- लक्षण इस बात पर निर्भर करेंगे कि डेंगू बुखार किस प्रकार का है। डेंगू बुखार तीन प्रकार के होते हैं। साधारण डेंगू बुखार, डेंगू हेनरेजिक बुखार, डेंगू शॉक सिन्ड्रोम, यदि डेंगू हेमरेजिक बुखार, डेंगू शॉक सिन्ड्रोम का तुरन्त उपचार शुरू नहीं किया जाता है तो वे जानलेवा सिद्ध हो सकते हैं। चिकिनगुनिया भी एडिज मच्छर से होने वाली बीमारी है। इस बीमारी के लिए लाक्षणिक उपचार प्रदान किया जाता है।

ट्रेन की टक्कर से घायल दोनों मादा बाघ की हालत गंभीर, पिछला हिस्सा पैरालाइज्ड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बुधनी से विशेष ट्रेन द्वारा रेस्क्यू कर वन विहार लाए गए घायल दो मादा बाघ शावक का बुधवार को मेडिकल चेकअप किया गया। यह दोनों मादा बाघ हैं जिनकी उम्र लगभग नौ माह है। वन विहार के डॉक्टर अतुल गुप्ता, डॉक्टर तोगड़िया ,डॉक्टर रजत कुलकर्णी ,डॉक्टर हमजा की एवं डॉक्टर वैभव शुक्ला द्वारा घायल मादा बाघ शावकों का मेडिकल चेकअप किया गया। दोनों मादा बाघ शावकों का एक्स-रे करने पर ज्ञात हुआ कि उनके रीढ़ की हड्डी एवं पेल्विक गर्डल पर मल्टीपल फैक्चर हैं। उसी के कारण से उनके पिछले भाग पैरालाइज हुए। शावकों की हालत गंभीर है उनका पिछला हिस्सा पूरा पैरालाइज हो चुका है। आगे उनका यथा संभव इलाज किया जा रहा है। ज्ञात हो कि 14 व 15 की दरमियानी रात को बुधनी के मिड घाट क्षेत्र सीहोर वन मंडल के अंतर्गत तीन टाइगर शावक ट्रेन की टक्कर से घायल होकर पास की नली में गिर गए थे। इसमें से नर शावक जिनकी उम्र लगभग 9 माह थी की मृत्यु हो

गई जिसे दिनांक 15 को रेस्क्यू कर पोस्टमार्टम किया गया। अन्य दो मादा बाघ शावक का रेस्क्यू कर वन विहार भोपाल 16 जुलाई को लाया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाघिन के घायल शावकों की जीवन रक्षा के लिए सीहोर जिला प्रशासन और भोपाल रेल मंडल द्वारा तत्परतापूर्वक की गई कार्यवाही की सराहना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सोमवार की सुबह सीहोर जिले में बुधनी के पास मिडघाट में बाघिन के तीन शावक रेल्वे ट्रैक दुर्घटना के शिकार हो गये थे। दुर्घटना में एक शावक की मृत्यु हो गई लेकिन शेष दो घायल शावकों का रेस्क्यू किया जाकर उपचार के लिये भोपाल के वन्य प्राणी चिकित्सालय लाने के लिए एक डिब्बे की विशेष ट्रेन की व्यवस्था की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सराहना करते हुए कहा कि सीहोर जिला प्रशासन एवं रेल मंडल द्वारा मनुष्य के साथ ही पशु-पक्षियों के जीवन के प्रति संवेदनशील होकर दायित्व निभाने का यह श्रेष्ठ उदाहरण है।

राजस्व महा-अभियान 2.0 31 अगस्त तक

राजस्व अधिकारी लंबित प्रकरणों का शत प्रतिशत करें निराकरण : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। राजस्व महाअभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा राजस्व अधिकारियों से विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व महाअभियान 31 अगस्त तक चलाया जाएगा। अभियान के लिए सभी उपखण्ड अधिकारी रणनीति तैयार कर लें। प्रत्येक गांव में बी-1 का वाचन अनिवार्य रूप से कराएं। अभियान के संबंध में सभी एसडीएम और तहसीलदार बैठक लेकर शासन के निर्देशों से पटवारियों को अवगत कराएं। कलेक्टर ने कहा कि अभियान के दौरान सभी राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण किया जावेगा। निरीक्षण के दौरान अभियान के लिए निर्धारित सभी बिन्दुओं पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। अभियान के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कलेक्टर ने राजस्व महाअभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। सभी जनप्रतिनिधियों को भी अभियान की पूरी जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने बताया कि राजस्व महा-अभियान 2.0 में आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज कराना और पूर्व आदेशों का खसरों और नक्शे में अमल, अपर कलेक्टर, अनुविभाग अधिकारी राजस्व द्वारा तहसील न्यायालयों का निरीक्षण, आरसीएमएस पर लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण, नामांतरण, बटवारा, अभिलेख दुरूस्ती, नक्शे में तरमीम, खसरे में बटांकन होना परंतु नक्शे में नही होना, खसरा नंबर का एक से अधिक बार होना, नक्शे में बटांकन होना एवं खसरे में नही होना, शामिल खसरे को भिन्न किया जाना, समग्र ई-केवाईसी तथा समग्र से खसरे की लिंकिंग, पीएम किसान सैचुरेशन, स्वामित्व, फार्मर रजिस्ट्री आदि प्रकरणों का निराकरण राजस्व महा-अभियान 2.0 मे किया जायेगा। कलेक्टर ने कहा कि जिले में नक्शा तरमीम के प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। जो प्रकरण 30 जून तक निराकृत हो गए हैं उनका अभियान के दौरान अमल दरामद कराएं। कलेक्टर ने सीमांकन महाअभियान में किए गए सीमांकन के आधार पर संबंधित प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी राजस्व प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल में अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। सभी एसडीएम तथा तहसीलदार प्रकरण के शत-प्रतिशत दर्ज होने का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करें। अभियान के दौरान निरीक्षण में इसका सत्यापन किया जावेगा। यदि किसी न्यायालय में कोई प्रकरण बिना दर्ज किए हुए पाया जाता है तो संबंधित पीठासीन अधिकारी के ऊपर कार्यवाही की जावेगी। राजस्व प्रकरणों के निराकरण की जो समय सीमा तय की गई है उसमें ही प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। जिले में बंटवारे के भी बड़ी संख्या में प्रकरण लंबित हैं। पक्षकारों को समझाइश देकर बंटवारे के प्रकरण निराकृत करें। नक्शा तरमीम तथा खसरे में सुधार के प्रकरण प्राथमिकता के साथ निराकृत करें।

कलेक्टर ने कहा कि नक्शा तरमीम के प्रकरणों में जिनमें कम खातेदार हैं उनके प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत करें। किसान सम्मान निधि के आवेदनों में ई केवाईसी तथा अन्य कमियाँ भी अभियान के दौरान दूर कराएं। अभियान के दौरान लगाए जाने वाले शिविरों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में समस्त जानकारियाँ दर्ज कराएं। स्वामित्व योजना के पात्र हितग्राहियों का चयन करके 15 अगस्त तक शत-प्रतिशत भू अधिकार पत्र वितरित कराएं। राजस्व अभियान की नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। सभी उपखण्ड अधिकारी निर्धारित प्रपत्र में जानकारी दर्ज कर प्रतिदिन प्रस्तुत करें।

बैठक में अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली एवं सिहावल आर पी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी संयुक्त कलेक्टर प्रशांत त्रिपाठी एवं संबंधित राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

दूषित पानी पीने से 8 लोग बीमार

बाघड़ के मरीजों का रामपुर-नैकिन स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा इलाज

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के रामपुर नैकिन जनपद पंचायत में आने वाले ग्राम बाघड़ में दूषित पानी पीने से गुरुवार सुबह उल्टी-दस्त से पीड़ित 8 लोग अस्पताल में भर्ती हुए। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन में भर्ती किया गया है। जहां इनका इलाज जारी है।

ग्रामीण राजन रावत ने बताया, सभी लोग एक ही वार्ड के रहने वाले हैं, खाना खाने के बाद जब हम पानी पीकर अपना-अपना काम कर ही रहे थे। तभी सभी लोग अचानक बीमार हो गए और उन्हें उल्टी-दस्त होने लगे। इसके बाद ऑटो और एंबुलेंस के माध्यम से सभी को इलाज के लिए रामपुर नैकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

मलेरिया विभाग में पदस्थ मनीष शर्मा ने बताया कि उल्टी-दस्त से पीड़ित 8 लोगों को अभी भर्ती कराया गया था। वहीं 3 लोगों की हालात सही होने पर उन्हें घर भेज दिया गया है।

पन्ना में दोपहर बाद तेज बारिश

राजापुर गांव में आकाशीय बिजली गिरने से किसान समेत 5 बकरियों की मौत

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। जिले में बीते 5 दिन के बाद शुक्रवार दोपहर को गरज-चमक के साथ जोरदार बारिश हुई। करीब 1 घंटे हुई झमाझम बारिश की वजह से जगह-जगह से जल भराव हो गया। वहीं अजयगढ़ थाना क्षेत्र के राजपुर में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान सहित 5 बकरियों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार पन्ना जिले में पिछले 5 दिनों से बारिश न होने के कारण उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे। शुक्रवार दोपहर के बाद गरज चमक के साथ बारिश हुई। अजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत राजापुर गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से रामनारायण पिता श्रीपाल (40) निवासी सलहाई ग्राम पंचायत राजापुर जो कि अपने खेत हल से जुताई कर रहा था।

तभी गरज चमक के साथ हुई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरी। जिसकी किसान चपेट में आ गया। जिसकी जानकारी वहीं थोड़ी दूर खड़ी बच्ची ने मृतक के भाई को दी। इसके बाद घायल को तुरंत अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर ने किसान को मृत घोषित कर दिया। वहीं राजापुर गांव मे ही एक और आकाशीय बिजली की घटना में 5 बकरियों की मौत हुई है।

एक तरफा प्यार में युवती को मारी ब्लेड

आरोपी जबरदस्ती शादी का दबाब बना रहा था, कोर्ट ने भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी में एक युवक ने एक तरफा प्यार में युवती को ब्लेड मारकर घायल कर दिया। युवती को रीवा रेफर किया गया। घटना बुधवार अमिलिया थाना अंतर्गत ग्राम कोरौली खुर्द गांव की है। आरोपी को आज (18 जुलाई) को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उसे जेल भेज दिया है।

ग्राम कोरौली खुर्द गांव निवासी नीरज पिता रामभजन रावत (21) का प्रेम प्रसंग उसकी सगी मौसी की लड़की के साथ चल रहा था। वह कई बार युवती से शादी के लिए कहता रहा। लेकिन युवती यह कहकर शादी से इनकार कर रही कि तुम रिश्ते में मेरे भाई हो।

इस बीच युवती की शादी टिमसी गांव में एक युवक के साथ हो गई। इसके बाद आरोपी नीरज रावत ने बुधवार शाम उसके ससुराल पहुंचकर हाथ पकड़कर युवती ले जाने लगा। मना करने पर उसने युवती के गले सहित शरीर के अन्य हिस्सों में ब्लेड से हमला कर दिया। घायल युवती का इलाज संजय गांधी अस्पताल रीवा में चल रहा है। युवती की हालात अभी नाजुक है।

हमला करने के बाद आरोपी फरार हो गया था, जिसे बुधवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। गुरुवार को उसे जेल भेज दिया गया है।

इस कार्रवाई में टीआई राजेश पांडेय, एसआई ऋषि कुमार द्विवेदी, इंद्राज सिंह, एएसआई सुनील पाठक, प्रधान आरक्षक विक्रम सिंह, रावेंद्र आरक्षक आलोक त्रिपाठी, संदीप का योगदान रहा है।

भूमि के प्लाट बनाकर बिना अभिन्यास की स्वीकृत लिए ही विक्रय करने पर 13 व्यक्तियों को नोटिस जारी

कलेक्टर न्यायालय में 29 जुलाई को जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा भूमि के प्लाट बनाकर बिना अभिन्यास की स्वीकृत लिए ही विक्रय किया जाकर मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 (अध्याय 12ए, 339-क कालोनी निर्माण) एवं धारा 339-ख के प्रावधानों का उल्लंघन एवं मध्यप्रदेश नगरपालिका कालोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण निर्वधन एवं शर्तें नियम 1998 अंतर्गत कॉलोनाइजर की शर्तों का उल्लंघन करने पर 13 व्यक्तियों को नोटिस जारी की गई है। उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास तथा तहसीलदार गोपद बनास के प्रतिवेदन के आधार पर अभिषेक प्रताप सिंह पिता सुरेश प्रताप सिंह, शैलेन्द्र सिंह पिता योगेन्द्र सिंह, मुस. मीना सिंह बेवा सुखेन्द्र सिंह, अमर सिंह पिता सुखेन्द्र सिंह, अतुल सिंह पिता सुखेन्द्र सिंह, प्रिंसबहादुर सिंह पिता रमेश कुमार सिंह निवासी करौंदिया दक्षिण टोला तहसील गोपद बनास जिला सीधी, रामेश्वर प्रसाद गुप्ता तनय मोतीलाल गुप्ता, रामराज सिंह चौहान पिता जयकरण सिंह चौहान, बृजनन्दन सिंह पिता अवधशरण सिंह वगैरह, मनोज कुमार पिता लालमणि दुवे, धर्मराज सिंह पिता जनार्दन सिंह, पुष्पराज सिंह पिता समरबहादुर सिंह निवासी ग्राम सीधी खुर्द तहसील गोपद बनास जिला सीधी एवं गोरेन्द्रधर द्विवेदी पिता ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी निवासी ग्राम अमहा तहसील गोपद बनास जिला सीधी को नोटिस जारी किया गया है।

जारी नोटिस के अनुसार उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा भूमि के प्लाट बनाकर बिना अभिन्यास की स्वीकृत लिए ही विक्रय किया जाकर मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 (अध्याय 12ए, 339-क कालोनी निर्माण) एवं धारा 339-ख के प्रावधानों का उल्लंघन एवं मध्यप्रदेश नगरपालिका कालोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण निर्वधन एवं शर्तें नियम 1998 अंतर्गत कॉलोनाइजर की शर्तों समतलीकरण, अभिन्यास में स्वीकृत प्रस्तावित सड़कों तथा भू-खण्डों का सीमांकन, प्रस्तावित सड़कों का निर्माण जिसमें विद्यमान सड़कों का चौड़ा किया जाना, पुलियों का निर्माण, प्रस्तावित नालियों का निर्माण, आंतरिक जल प्रणाली का निर्माण, विद्युत प्रणाली के अधीन, विद्युत खम्भों आदि का लगाया जाना, सड़क के बगल में वृक्षारोपण, बच्चों के खेल का मैदान एवं निम्न आय समूह के व्यक्तियों का प्लाट निर्धारित किया जाना का उल्लंघन किया गया है। संबंधित व्यक्तियों को निर्देशित किया गया है कि 29 जुलाईं को न्यायालय कलेक्टर जिला सीधी में प्रातः 11 बजे उपस्थित होकर समस्त उक्त भूमियों के संबंध में सुसंगत अभिलेख के साथ जवाब प्रस्तुत करें। नियत दिनांक को उपस्थित न आने एवं जवाब प्रस्तुत न किये जाने पर संबंधितों का सुनवाई का अवसर समाप्त करते हुए एकपक्षीय कार्यवाही की जाकर विधिसंगत आदेश पारित किया जावेगा। उक्त प्रावधानों के तहत संबंधित के स्वत्व में अवैध कॉलोनी की सीमा में शेष बची हुई भूमि का प्रबंधन अधिकार में लेते हुए उनके अंतरण या अंतरण किये जाने का करार अवैध मानते हुए कार्यवाही की जायेगी।

कलेक्टर सोमवंशी द्वारा समस्त उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि जिले में इस प्रकार भूमि के प्लाट बनाकर बिना अभिन्यास की स्वीकृत लिए जो जमीन विक्रय की कार्यवाही की जा रही है उन सभी की जांच कर प्रभावी कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर हितग्राहियों को लाभान्वित करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा बुधवार को ग्राम भैसरहा विकासखंड रामपुर नैकिन में विष्णु कांत कुशवाहा द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अंतर्गत निर्मित तालाब का अवलोकन किया गया तथा तालाब में किये जा रहे पंगेशियस मछली के पालन के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी ली गई। श्री कुशवाहा द्वारा बताया गया कि मत्स्य पालन के व्यवसाय में बहुत ज्यादा फायदा होने के साथ ही उत्पादित मछली की स्थानीय स्तर पर बहुत ज्यादा मांग हैं।

कलेक्टर द्वारा मत्स्य पालन की गतिविधियों की सराहना करते हुए सहायक संचालक मत्स्य उद्योग जिला सीधी को प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए ज्यादा से ज्यादा हितग्राहियों को योजना से लाभान्वित किये जाने के निर्देश दिए गये। इस अवसर पर मत्स्य पालन, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा ग्रामीण यंत्रिकी सेवा विभाग सहित अन्य विभागों के कर्मचारी तथा अधिकारी उपस्थित रहे।

रीवा से गिरफ्तार हुआ आरोपी बेटा

पिता की हत्या के मामले में एक माह से चल रहा था फरार, साइबर सेल से मिली थी लोकेशन

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। पिता की हत्या करने के आरोप में ब्यौहारी पुलिस ने फरार बेटे को एक माह बाद रीवा से गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। ब्यौहारी पुलिस की टीम आरोपी बेटे को रीवा से ब्यौहारी बुधवार को लेकर आ गई, जहां से उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

थाना प्रभारी अरुण पांडेय ने बताया कि भन्नी गांव का रहने वाला आरोपी पप्पू खैरवार (25) ने 15 जून की रात अपने पिता मोहन खैरवार की लाठी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से आरोपी फरार था। पुलिस लगातार तलाश कर रही थी। साइबर सेल की मदद से पुलिस ने रीवा जिले से आरोपी बेटे को गिरफ्तार किया है।

पत्नी से विवाद के चलते हुई थी हत्या

थाना प्रभारी अरुण कुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी ने 15 जून की सुबह अपनी प%ी से विवाद करते हुए मारपीट की थी। इसके बाद घर से चला गया था। शाम को जब घर लौटा तो प%ी घर में नहीं मिली। पिता मोहन खैरवार ने बताया कि वह अपने मायके चली गई है। बेटे को लगा कि उसके पिता ने उसकी पत्नी को मायके भेज दिया है। इसी बात पर आरोपी ने हत्या कर दी।

बुढार पुलिस ने किया बिजली तार चोर गिरोह का पर्दाफाश

खंभा गिराकर शॉर्ट सर्किट से बंद करते थे सप्लाई, चुराया 50 लाख का तार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल जिले की बुढार पुलिस गुरुवार को एक बिजली चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया है। आरोपी चालू बिजली की लाइन से तार काटकर उन्हें चोरी कर लेते थे। इसके लिए गिरोह के सदस्य पहले बिजली के खंभों को गिरा देते थे, फिर बिजली गुल होते ही तार काटकर भाग जाते थे। यह गिरोह जिले के बुढार, धनपुरी, जैतपुर, खैरहा समेत अन्य क्षेत्रों में लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था।

पुलिस ने बताया कि गिरोह ने 3 हजार मीटर लंबी वायर जिसकी कीमत 50 लाख से अधिक है, उसे कबाड़ियों को बेच दिया था। बुढार पुलिस ने बिजली चोर गिरोह के 2 सदस्यों को पकड़ा है। जबकि इस गिरोह के 4 सदस्य अभी फरार हैं वहीं चोरी की बिजली के तार खरीदने वाले 5 कबाड़ियों के खिलाफ भी पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश में जुट गई है।

बिजली विभाग ने की थी शिकायत: बुढार थाना क्षेत्र अंतर्गत मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी धनपुरी क्षेत्र और बुढार क्षेत्र के अतरिया टोला और हाउसिंग बोर्ड कालोनी से 3 हजार 5 सौ मीटर, दो लाख से अधिक कीमती का कंडक्टर वायर चोरी होने की शिकायत धनपुरी और बुढार बिजली विभाग के जेई द्वारा बुढार थाने में की गई थी। शिकायत में यह भी बताया गया था कि चोरों ने 11केवी चालू लाइन से भी तार चोरी किया जा रहा है। जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी।

आरोपी खंभा गिराकर बंद कर देते थे सप्लाई: पड़ताल के दौरान बुढार पुलिस ने तार चोरी करने वाले आरोपी अंजनी चौधरी, बादल चौधरी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उनके 3 अन्य साथी राहुल चौधरी, राज चौधरी अरुण चौधरी भी इसमें शामिल हैं। सभी लोग चालू 11केवी लाइन से तार चोरी करते थे। इसके लिए बिजली पोल को गिराकर शॉर्ट सर्किट कर देते थे। इसके बाद जब बिजली गुल हो जाती तो हम लोग तार काट लेते थे।

कबाड़ियों तक पहुंचाते थे तार: आरोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि तार काटने के बाद उन्होंने जिले के नामचीन कबाड़ी अनीश कबाड़ी और उमरिया जिले के नारोजाबाद के लल्लू कबाड़ी सहित बुढार इमली टोला के राजा चौधरी और बोग्गा उर्फ विजय को चोरी का तार बेचे थे। जिसके लिए अनीश कबाड़ी अपने पिकअप वाहन में चोरी का तार ले गया था, बुढार पुलिस ने इन सभी के खिलाफ बीएनएस की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर दो को गिरफ्तार कर लिया तो वही 8 फरार हैं, जिनकी सरगर्मी से तलास कर रही है।

एक साल के भीतर हुई थी चोरी: मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के जेई सुरेन्द्र विश्वकर्मा ने बताया कि 1 साल के अंदर उनके क्षेत्र से लगभग 3 हजार 8 सौ 38 मीटर कंडक्टर वायर जिसकी कीमत 53 लाख से अधिक हैं, सहित बिजली पोल और ट्रांसफॉर्मर चोरी हो चुका है। अकेले विद्युत वितरण क्षेत्र धनपुरी में 21 जगह चोरी हुई है।

फरार आरोपियों की तलाश जारी: इस पूरे मामले में बुढार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने बताया कि बिजली वायर चोरी की शिकायत आई थी। जिस पर मामला दर्ज कर दो बिजली चोर को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं 3 बिजली चोर और 5 कबाड़ी जिन्हें चोरी का तार बेचते थे, वो फरार हैं। उन्हें भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा, चोरी के लगभग 2 लाख कीमत के तार और 8 लाख की पिकअप जब्त की है।

बिजली गिरने से स्कूल स्टूडेंट समेत 2 की मौत

खेत पर काम कर रहे 6 किसान भी घायल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। गुरुवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से छतरपुर के एक स्कूल परिसर में कक्षा 3 में पढ़ने वाले 9 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। इसी तरह एक ही परिवार के 7 लोग खेत पर काम कर रहे थे, तभी अचानक बिजली गिरी और 1 की मौत हो गई व 6 घायल हो गए। शवों का जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, रमन प्रताप मुकुंदी रैकवार उम्र 9 वर्ष निवासी खोंप थाना गढ़ीमलहरा का रहने वाला है। गुरुवार सुबह 10:30 बजे गांव के ही स्कूल प्राथमिक पाठशाला खोंप में पढ़ने के लिए गया था। गुरुवार दोपहर 1:30 बजे अचानक मौसम बदला और गरज के साथ तेज बारिश शुरू हो गई स्कूल में बच्चों का लंच चल रहा था सभी बच्चे स्कूल की बाउंड्री के अंदर खेल रहे थे, तभी बारिश शुरू हो गई और सभी बच्चे स्कूल के अंदर क्लास में चले गए।रमन स्कूल बाउंड्री के अंदर लगे पेड़ के नीचे बारिश में छिप गया। करीब 2:15 बजे अचानक बिजली गिरने से रमन उसकी चपेट में आ गया, जिसकी जानकारी स्कूल टीचर्स ने उसके परिवार को दी। बारिश धीमी होने पर परिवार के लोग उसे बाइक से इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आए, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

विचार

नये कानून से बुजुर्ग मां-पिता की सुध लेने की सार्थक पहल

देश में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना बढ़ती जा रही है, बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते, वे उनके जीवन-निर्वाह की जिम्मेदारी भी नहीं उठाना चाहते हैं, जिससे भारत की बुजुर्ग पीढ़ी का जीवन नरकमय बना हुआ है, वृद्धजनों की पल-पल की घुटन, तनाव, जीवन-निर्वाह करने की जटिलता एवं उपेक्षा को लेकर समय-समय पर जहां न्यायालयों ने अपनी चिन्ता जतायी है, वहीं सरकार ने कानून बनाकर बुजुर्गों को उन्नत एवं शांति देने के प्रयास किये हैं, लेकिन इसके बावजूद वृद्ध लोगों का जीवन कष्टमय एवं जटिल बना हुआ है। वृद्ध माता-पिता की देखभाल एवं भरण-पोषण की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। अदालतों में गुजारा-भत्ते से जुड़े विवाद बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार वृद्ध माता-पिता की देखभाल के लिये बाध्य करने वाले 2007 के कानून में बदलाव लाकर, इसका दायरा बढ़ाने के मकसद से नये कानून लाने की तैयारी में है। माता-पिता और बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े वर्षों पुराने कानून को प्रभावी व व्यावहारिक बनाने की कोशिश निश्चित रूप से सामाजिक एवं पारिवारिक ताने-बाने में वृद्धों को सम्मानजनक जीवन देने की सार्थक एवं सराहनीय कोशिश है। इस समय देश में करीब 10.5 करोड़ बुजुर्ग लोग हैं और 2050 तक इनकी संख्या 32.4 करोड़ तक पहुंच जाएगी। भारत सहित 64 ऐसे देश होंगे जहाँ 30 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष से अधिक उम्र की होगी। एकल परिवार के दौर में बुजर्गों की देखभाल और भरण पोषण एक बड़ी समस्या के तौर पर उभर रही है ऐसे में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुजुर्गों की देखभाल के लिये मेंटिनेंस ऐंड वेलफेयर ऑफ पैरंट्स ऐंड सीनियर सिटिजन ऐक्ट 2007 में संशोधन की पहल की है, नये बिल के मुताबिक अब घर के बुजुर्गों की जिम्मेदारी सिर्फ बेटे ही नहीं, बल्कि बहू-दामाद, गोद लिए गए बच्चे, सौतेले बेटे और बेटियों की भी होगी। बिल लाने का मकसद बुजुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करना है। पहले वृद्ध माता-पिता अपनी संतानों से दस हजार रुपये तक का गुजारा भत्ता पाने के हकदार थे। बताया जा रहा है कि नये विधेयक के अनुसार अब माता-पिता का गुजारा भत्ता बच्चों की आर्थिक हैसियत से तय होगा। वहीं बच्चों के साथ कटुता कम करने के प्रयासों में माता-पिता व बुजुर्गों को त्यागने अथवा दुर्व्यवहार पर बच्चों को दी जाने वाली सजा में कमी करने की भी तैयारी है। ऐसा सामाजिक संगठनों से विमर्श के बाद किया गया है। क्योंकि लंबी सजा से माता-पिता और बच्चों के संबंधों में ज्यादा खटास बढ़ती है। कहा जा रहा है कि सरकार बजट सत्र में इस विधेयक को पेश कर सकती है। दरअसल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े 2007 के कानून में बदलाव की पहल तब की, जब समाज में बुजुर्गों की अनदेखी व दुर्व्यवहार के मामले तेजी से बढ़े हैं। भारतीय संस्कृति एवं सभी धार्मिक ग्रंथों में माता पिता को भगवान का रूप माना गया है और उनकी नि:स्वार्थ सेवा करने की बात कही गयी है, लेकिन इसके बावजूद कई लोग अपने बुजुर्ग माता-पिता की सेवा करना तो दूर उल्टा उन्हें परेशान करते रहते हैं।

फिर आतंकी हमलें, सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

ललित गर्ग

लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे।

इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है। ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संत्पत परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें। डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले 'कश्मीर टाइगर्स' जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू-कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है? जो सरकार पाकिस्तान में घूस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। एक ओर सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण करना होगा, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को नए सिरे से सबक भी सिखाना होगा। यह इसलिए अनिवार्य हो गया है, क्योंकि पिछले कुछ समय में आतंकी हमलों में बलिदान होने वाले सैनिकों की संख्या कहीं अधिक बढ़ी है। पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन वर्ष में करीब 50 जवानों को अपना बलिदान देना पड़ा है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं। आतंक को करारा जवाब केवल तभी नहीं दिया जाना चाहिए, जब एक साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को बलिदान देना पड़े। वास्तव में हमारे एक भी सैनिक का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। डोडा की घटना के बाद यह जो कहा जा रहा है कि सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाएगा, उसे न केवल पूरा करके दिखाया जाना चाहिए, बल्कि आतंकियों, उनके आकाओं और उन्हें सहयोग-समर्थन देने वालों पर ऐसा करारा प्रहार किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी हरकतों से हमेशा के लिए बाज आएं। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन उसे उकसाने में लगा हुआ होगा, इसलिए भारत को कहीं अधिक सतर्क रहना होगा। केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। बढ़ती आतंकी घटनाओं पर गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नजर बनाए हुए हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि सुरक्षा बल आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देगा लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा बलों को आतंकियों के प्रति अपनी रणनीति बदलनी होगी और आतंकी जिन बिलों में छिपे होंगे उन्हें वहां से निकालकर ढेर करना होगा। आतंकवाद पर अंतिम प्रहार करने की तैयारी करनी होगी और साथ ही आतंकियों के मददगारों की भी पहचान करनी होगी, तभी आतंकवाद को नेस्तनाबूद किया जा सकता है। पुलिस के आला अधिकारी यदि यह कह रहे हैं कि घाटी के नागरिक समाज में पाकिस्तानी 'घुसपैठ' को बढ़ावा देने में कतिपय राजनीतिक दलों का रुख भी जिम्मेदार रहा है, तो क्या यह आधारहीन है? इसका मुकाबला हर स्तर पर हम एक होकर और सजग रहकर ही कर सकते हैं। यह भी तय है कि बिना किसी की गद्दारी के ऐसा संभव नहीं होता है। ताजा आतंकी हमलों के विकराल रूप कई संकेत दे रहे हैं, उसको समझना है। कई सवाल खड़े कर रहा है, जिसका उत्तर देना है। यह पाकिस्तान का बड़ा षड़यंत्र है इसलिए इसका फैलाव भी बड़ा हो सकता है। ये घटनाएं चिल्ला-चिल्ला कर कह रही हैं हमारी खोजी एजेन्सियों से, हमारी सुरक्षा व्यवस्था से कि वक्त आ गया है अब जिम्मेदारी से, सख्ती से और ईमानदारी से जम्मू-कश्मीर को संभालें।

चीन के लिए एक खतरनाक पैगाम लेकर आये हैं रिजॉल्व तिब्बत एक्ट के कूटनीतिक मायने

कमलेश पांडे

दुनिया के थानेदार अमेरिका ने तिब्बत के मसले पर चीन को जो दो टूक संदेश दिया है, उससे एक बार फिर वह बौखला उठा है और अमेरिकी नेतृत्व के प्रति अपनी आंखें तरेरनी शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने तिब्बत-चीन विवाद के समाधान को बढ़ावा देने वाले रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। जिसमें तिब्बत पर चीन के जारी अवैध कब्जे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए दलाईलामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ बिना शर्त सीधी बातचीत की बात कही गई है। हालांकि, चीन ने इस एक्ट का विरोध करते हुए इसे अस्थिरता पैदा करने वाला बताया। उसने इस बिल पर अमेरिका से कड़ा विरोध जताया और साफ शब्दों में कहा कि यह चीन के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप है। कोई भी व्यक्ति या ताकत, जो चीन को नियंत्रित करने के लिए या दबाने के लिए जिजांग (तिब्बत का चीनी नाम) को अस्थिर करने का प्रयास करेगी, सफल नहीं होगी। चीन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा व विकास हितों की रक्षा के लिए कदम उठाएगा। वहीं, इससे उलट निर्वासित तिब्बत सरकार के प्रधानमंत्री सिक्योंग पेम्पा सेरिंग ने रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का आभार जताते हुए कहा कि यह कानून तिब्बती लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार की बात करता है, जो अंतर्राष्ट्रीय कानून में है। यह चीन के इस प्रचार व दावे को मंजूर नहीं करता कि तिब्बत कभी चीन का हिस्सा रहा है। यह धर्मगुरु दलाईलामा के आशीर्वाद से हो रहा है। बता दें कि 1950 के दशक में चीन ने भारत की मूक सहमति पर जब तिब्बत पर अपना कब्जा जमा लिया तो वहां के सर्वोच्च धर्मगुरु यानी चौदहवें दलाईलामा 1959 में तिब्बत से भागकर भारत चले आये थे, जहां उन्होंने भारत सरकार से शरण मांगी और मिलने के बाद हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में अपनी निर्वासित सरकार स्थापित की। तभी से दलाईलामा से ज्यादा भारत चीन की आंखों में खटक रहा है। भारतीय प्रयासों के बाद 2002 से 2010 तक दलाई लामा के प्रतिनिधियों और चीनी सरकार के बीच नौ दौर की वार्ता हुई, लेकिन कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। अलबत्ता, भारत इस मुद्दे पर भले

ही शांत रहा, लेकिन उसके नए मित्र अमेरिका ने उसके दर्द को समझा और एशिया में अपनी राजनीति चमकाने और दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र पर कब्जा जमाने की गरज से चीन के विरोध के बीच रिजॉल्व तिब्बत एक्ट को अमल में ला दिया। इससे पहले जम्मू-कश्मीर पर उसकी भूमिका से लगभग सभी वाकिफ हैं। इसलिए तो उसे दुनिया का थानेदार कहा जाता है। यह कटु सत्य है कि जिस काम को भारत और रूस को करना चाहिए, उसे करने का श्रेय भी अमेरिका ले चुका है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गत 12 जुलाई 2024 को तिब्बत सम्बन्धी विधेयक रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए, जिसके बाद यह कानून बन गया है। यह प्रस्ताव तिब्बत के लिए अमेरिकी समर्थन बढ़ाने और इस हिमालयी क्षेत्र के दर्जे व शासन से सम्बन्धित विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चीन और तिब्बत के सर्वोच्च धर्मगुरु दलाईलामा के बीच संवाद को बढ़ावा देने वाला है। बकौल बाइडन, मैंने एस.138, तिब्बत-चीन विवाद समाधान को बढ़ावा देने वाला अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं तिब्बतियों के मानवाधिकारों को बढ़ावा देने, उनकी विशिष्ट भाषाई, सांस्कृतिक व धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए संसद के दोनों सदनों की प्रतिबद्धता को साझा करता हूँ। मेरा प्रशासन चीन से दलाईलामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ बिना किसी शर्त के सीधी बातचीत शुरू करने का आह्वान करता रहेगा, ताकि मतभेद दूर किये जा सकें और तिब्बत पर बातचीत के जरिए समझौता किया जा सके। रिजॉल्व तिब्बत एक्ट में कहा गया है कि चीन की नीतियां तिब्बत के लोगों की जीवनशैली को संरक्षित करने की क्षमता को दबाने की कोशिश कर रही हैं। इसलिए यह कानून चीन के इस दावे को खारिज करता है कि तिब्बत प्राचीन काल से उसका हिस्सा रहा है। इस एक्ट में चीन से तिब्बत के इतिहास के बारे में गलत व भ्रामक प्रचार बन्द करने की मांग की है। यह कानून चीन के भ्रामक दावों से निपटने के लिए अमेरिका के विदेश विभाग को भी नए अधिकार देता है। स्पष्ट है कि तिब्बत प्राचीन काल से चीन का नहीं, बल्कि भारत का पड़ोसी रहते हुए कभी कभार उसका अभिन्न अंग भी रहा है। पहले भारत के डाक वहां जाते थे और भारतीय मुद्रा भी वहां चलती थी। यह बात अलग है कि जब जब भारत के शासक कमजोर हुए तो तब तब वह स्वायत्त या स्वतंत्र देश बन गया। हालांकि आजादी के बाद पंचशील के सिद्धांतों का गला घोंटते हुए चीन ने साल 1959 में जिस तरह से तिब्बत को जबरन अपने भूभाग में मिला लिया और तत्कालीन भारतीय नेतृत्व %हिंदी-चीनी भाई-भाई% के गफलत में रहकर उसकी इस ओछी कार्रवाई का विरोध तक नहीं किया, वह एक अदूरदर्शी कदम साबित हुआ और उसकी कीमत आजतक भारत चुका रहा है। अलबत्ता, अमेरिका के नए पैंतरे से साफ है कि अंदरखाने में उसने भारत का विश्वास जरूर हासिल किया होगा। क्योंकि चीन जिस तरह से भारत के अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा ठोकते हुए उसे दक्षिणी तिब्बत का भूभाग करार देता है, उसके परिप्रेक्ष्य में अमेरिकी कानून ने यह साफ कर दिया है कि जब तिब्बत ही चीन का हिस्सा नहीं है तो फिर भारतीय भूभाग पर उसका दावा वाकई फर्जी है। वहीं, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में चीनी हरकतें भी स्वीकार्य नहीं हो सकती हैं। नेपाल से लेकर भूटान की सीमा तक जो उसकी हरकतें हैं, उसके मद्देनजर रिजॉल्व तिब्बत एक्ट को चीनी चालों पर एक करारा तमाचा भी समझा जा सकता है, जो भारत ने अपने नए और रणनीतिक दोस्त से दिलवाई है। अब भी यदि चीन नहीं चेतेगा तो तिब्बत का उसके हाथ से फिसलना तय है। अमेरिका ने जिस तरह से रूस को यूक्रेन में उलझाया, उसी तरह से अब वह चीन को तिब्बत में उलझायेगा। क्योंकि ताइवान और दक्षिण चीन सागर में चीन को घेरने से अच्छा है तिब्बत पर घेरना, ताकि दो मोर्चे पर एक साथ उलझने की गलती वह कर बैठे।

टाइटेनियम फैक्ट्री में लगी भीषण आग

जितना डाल रहे थे पानी, उतनी भड़क रही थी आग, नहीं थे बुझाने के कोई साधन

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के भिलाई के इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित शिवम हाइटेक नाम की फैक्ट्री में गुरुवार को भीषण आग लग गई। फैक्ट्री के अंदर बड़ी मात्रा में टाइटेनियम धातु रखा था। आग तब तक नहीं बुझी जब तक की पूरा टाइटेनियम जल नहीं गया। इस दौरान दमकल की गाड़ियां जितना पानी मार रही थी, आग उतनी तेजी से भड़क रही थी।

भिलाई में स्थित शिवम हाइटेक नाम की फैक्ट्री के अंदर टाइटेनियम का स्क्रैप गलाने का काम किया जाता है। गुरुवार दोपहर 12 बजे के करीब अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। टाइटेनियम में आग पकड़ने से आग इतनी तेजी से फैली की कोई बुझा नहीं पाया। इसके बाद तुरंत जामुल थाने में घटना की सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस ने दुर्ग से दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। चार दमकल की गाड़ियां आग बुझाने के लिए पहुंची, लेकिन जब उन्हें पता चला कि आग टाइटेनियम धातु में लगी है तो वो लोग पीछे हट गए। जिला सेनानी और अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र सिंह ने अपनी टीम को निर्देश दिया कि वो फैक्ट्री की दीवार और जहां टाइटेनियम नहीं है, वहां के हिस्से को आग लगने से बचाएं।

इसके बाद फायर ब्रिगड की टीम 8 गाड़ी पानी से फैक्ट्री के सेफ जोन को पानी से बचाती रही और दोपहर 3 बजे तक आग तब तक जलती रही, जब तक की पूरा टाइटेनियम अपने आप जलकर समाप्त नहीं हो गया।

विदेश से मंगाया जाता है टाइटेनियम का स्क्रैप: जानकारी के मुताबिक शिवम हाइटेक फैक्ट्री का संचालक चाइना, जापान और अमेरिका से टाइटेनियम धातु का स्क्रैप इंपोर्ट करता है। इसके बाद इसे अपनी फैक्ट्री में लाकर विशेष प्रकार की भट्ठी के अंदर उसे गलाकर फिर से नया रूप देता है। इसके बाद यहां से तैयार माल भिलाई स्टील प्लांट को सप्लाई किया जाता है।

फैक्ट्री संचालक की लापरवाही आई सामने: इस आग लगने की घटना में फैक्ट्री संचालक की लापरवाही सामने आई है। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि टाइटेनियम ऐसा धातु है कि यदि उसमें आग लगती है तो उसे बुझाने के लिए डोलोमाइट और टीईसी जैसे महंगे पाउडर और केमिकल का उयोग किया जाता है। यदि टाइटेनियम की आग में पानी या फोम मारेंगे तो आग और तेजी से भड़कती है। फैक्ट्री में आग बुझाने के लिए विशेष केमिकल और पाउडर नहीं रखा गया था, इससे आग नहीं बुझ पाई।

दूसरी बार ऐसी घटना, सो रहा उद्योग सुरक्षा विभाग: शिवम हाइट में इससे पहले भी जनवरी माह में आग लग चुकी है। 6 महीने में ये दूसरी घटना है। उस समय भी आग से फैक्ट्री संचालक का करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ था और फैक्ट्री में आग बुझाने के लिए विशेष केमिकल नहीं रखा गया था। इसके बाद भी उद्योग सुरक्षा विभाग ने फिर से उन्हें क्लीन चिट दे दी। जब इस बारे में उद्योग सुरक्षा अधिकारी आशुतोष पाण्डेय को फोन लगाया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

स्वच्छाग्रही महिलाओं की पहल से गांवों के कूड़ा संग्रहण से स्वच्छता में हो रहा सुधार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन एवं जिला पंचायत निदेशक नितेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में जिले के ग्राम पंचायत परसगढ़ी, कठोतिया, हरचौका एवं लाई में स्वच्छाग्रही महिलाओं ने स्वच्छता के प्रति महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इन महिलाओं ने घर-घर जाकर कूड़ा संग्रहण और पृथक्करण का कार्य शुरू किया है, जिससे न केवल गांव की स्वच्छता में सुधार हो रहा है बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान हो रहा है। स्वच्छाग्रही महिलाओं ने गांवों में कूड़ा संग्रहण और पृथक्करण की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू किया है। इनके इस प्रयास से गांवों में कूड़े की समस्या का समाधान हो रहा है और लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान को एक नई दिशा दे रही है और यह कदम समुदाय के अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित कर रही है।

रेलवे फाटक खुला तो मामा को गायब मिला भांजा

रहस्यमय ढंग से लापता हुआ युवक, तलाश करने रायगढ़ से कोरबा पहुंचे परिजन

मीडिया ऑडीटर, कोरबा निप्र। कोरबा में सर्वमंगला रेलवे फाटक में मालगाड़ी के पार होने का इंतजार कर रहे मामा-भांजा एक दूसरे से बिछड़ गए। किसी तरह मामा तो अपने ससुराल पहुंच गया, लेकिन भांजा 5 दिन बीत जाने के बाद भी घर नहीं लौटा। उसकी बाइक रेलवे फाटक के पास लावारिस हालत में खड़ी मिली। पड़ोसी जिले से परिजन कोरबा शहर युवक की तलाश में पहुंचे। पुलिस ने भी तलाश शुरू कर दी है।

मामा भारत नगेसिया ने बताया कि वह रायगढ़ जिले की लैलूंगा थाना अंतर्गत वीर राजापुर का रहने वाला है। उसका कटघोरा के पास ग्राम लखनपुर में ससुराल है। वह अपने मुंहबोला भांजा विष्णु प्रसाद (32) के साथ 6 दिन पहले कोरबा आया हुआ था। वे दोपहर करीब 12 बजे सर्वमंगला रेलवे फाटक के पास पहुंचे।

फाटक खुलने का इंतजार कर रहा था विष्णु: वह बंद फाटक को पार कर दूसरे छोर में चला गया, जबकि विष्णु बाइक लेकर फाटक खुलने का इंतजार कर रहा था। मालगाड़ी के पार होने पर विष्णु गायब मिला। वह काफी देर तक भांजे को तलाशता रहा। इसके बाद ऑटो रिक्शा में सवार होकर कोरबा पहुंचा और यात्री बस में ससुराल लखनपुर पहुंच गया। वह भांजा के घर लौट जाने के बात से निश्चित था।

परिजनों ने कॉल किया था लापता होने की मिली जानकारी: इस दौरान भांजा विष्णु प्रसाद के परिजनों ने कॉल कर पूछताछ की तो उसके लापता हो जाने की जानकारी मिली। उसकी बाइक सर्वमंगला रेलवे फाटक के पास लावारिस हालत में मिली है, जिसे सर्वमंगला पुलिस चौकी में रखा गया है। परिजन विष्णु की खोजबीन कर रहे हैं लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है।

पहली बार गांव से निकला बाहर, पास में पैसे भी नहीं- बहन: विष्णु की बहन का कहना है कि उसका भाई पहली बार गांव से कहीं बाहर निकला है। उसे देश-दुनिया की जानकारी नहीं है। उसके पास पैसे भी नहीं हैं और मोबाइल बंद दिखा रहा है। सर्वमंगला चौकी प्रभारी विभव तिवारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल लैलूंगा थाने में संपर्क किया गया जहां गुमशुदगी दर्ज की गई है। आसपास युवक की तलाश की जा रही है।

चिरमिरी खड़गवां पत्रकार संघ के प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन

पर्यावरण संरक्षण की ओर संघ ने लिया एक सफल कदम

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। चिरमिरी शहर जो कि हिल स्टेशन के नाम से देश प्रदेश भर में बहु चर्चित है, जहां की हरियाली के तारीफ अक्सर यहां भ्रमण करने आए लोगों द्वारा की जाती है। मगर दुर्भाग्य की बात है कि आज के समय में जिस प्रकृति के आंचल से मानव को सदैव स्वर्ग समान सुखों की प्राप्ति हुई है, उसी प्रकृति को आघात पहुंचाने में इंसानों ने कभी कोई कमी नहीं की। जिसका दुष्परिणाम इंसानों को आज के वर्तमान समय में भुगतना भी पड़ रहा है। धरती को पुनर्जीवित करने वाली हरियाली की चादर को इंसानों ने बर्बाद करने का एक भी मौका नहीं छोड़ा, मगर एक कहावत जिसकी सत्यता भी आज के युग के इंसानी कौम पर बिल्कुल सटीक बैठती है कि, "जो बोयेगा वही पायेगा, जैसी करनी वैसी भरनी।" पर्यावरण को दूषित करने का जो दुष्कर्म इंसानों ने लंबे समय से किया है, जिसके फलस्वरूप आज वर्तमान में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ोतरी, जैव-भू-रासायनिक चक्र, पोषक चक्र, जिसे संतुलित बनाए रखने में वनस्पतियों का सबसे बड़ा योगदान रहता है, मगर अपने निजी स्वार्थ में अंधे हो चुके इंसानी कौम ने पर्यावरण के भीतर तक आघात पहुंचाने में सारी हदें पार कर दीं, जिससे कि धरती में जीवन चक्र को भी आज के समय में बड़ी हानि हो रही है, और अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ वातावरण और पर्यावरण की इच्छा रखने वाले हम सभी को अब ज़रूरत है कि अपना अस्तित्व खो रहे अनगिनत लाभकारी औषधियुक्त पेड़ पौधे और बेजान बंजर बीघड़ का रूप ले रहे इस पर्यावरण इस जमीं को बचाने के लिए, बिना कुछ सोचे समझे निरंतर रूप से वृक्षारोपण करना और वनस्पतियों का भरपूर ख्याल रखना।

इन्हीं सब गंभीर समस्याओं पर चिंतन करते हुए चिरमिरी खडगवा पत्रकार संघ द्वारा पर्यावरण संरक्षण के दृष्टि से सफल कदम लिया गया, संघ के अध्यक्ष राजेश उपाध्याय की अध्यक्षता में पत्रकार भवन परिसर में संघ के समस्त पत्रकार साथियों की पहल से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां सभी ने विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार एवं औषधियुक्त पौधों का रोपण किया। इस कार्यक्रम में विधानसभा मनेंद्रगढ़ क्षेत्र के पुर्व विधायक डॉ विनय जयसवाल, एस ई सी एल प्रबंधन के उप क्षेत्रीय प्रबंधक अरूण सिंह चौहान एस ई सी एल प्रबंधन, अधिकारी वर्ग, चिरमिरी शहर के कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता सुभाष कश्यप (प्रदेश सचिव कांग्रेस छत्तीसगढ़), शिवांश राजू जैन (पार्षद एवं एम आई सी कांग्रेस), नगर पालिक निगम चिरमिरी के अधिकारी एवं कर्मचारी, एस ई सी एल मजदूर संघ के वरिष्ठ नेता बजरंगी शाहि भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ के महामंत्री कमलेश सिंह। समेत चिरमिरी शहर के विभिन्न प्रशासनिक संस्थाओं में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। और सबने इस समाज हित कार्य में पौधारोपण कर इस कार्यक्रम को सफल बनाया और अपनी एहम भुमिकाएं निभाईं।

घर में रेड मारकर सेक्स रैकेट का खुलासा

जिस्मफरोशी का गैरकानूनी काम, महिला दलाल के साथ ग्राहक 4 युवक अरेस्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर निप्र। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक घर पर रेड मारकर पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक महिला दलाल के साथ 4 ग्राहकों को भी अरेस्ट किया है। पुलिस के मुताबिक उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके बाद नवा रायपुर सीएसपी समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने देर रात एक्शन लिया है।

नवा रायपुर सीएसपी करन उइके ने बताया कि पुलिस को लगातार शिकायत मिल रही थी कि मुजगहन थाना इलाके में जिस्मफरोशी का गैरकानूनी काम हो रहा है। पुलिस ने मुखबिर से इसे कंफर्म किया। बुधवार की देर रात पुलिस ने संदिग्ध घर पर रेड मारा, जहां घर के भीतर से पुलिस ने एक महिला दलाल समेत 4 युवकों को पकड़ा है।

सभी गिरफ्तार युवक ग्राहक

इस मामले में पुलिस ने जिन चार युवकों को पकड़ा है। ये युवक बुढ़ापारा निवासी महेश व्यास, आमापारा निवासी तेजेंदर सिंह, शिवेंद्र निषाद, अभनपुर निवासी डीसी कुमार है। पुलिस ने इनसे पूछताछ की तो इन्होंने जुर्म कबूल किया। पुलिस अधिनियम कोर्ट में पेश कर आगे की कार्रवाई करेगी। इस एक्शन में डीएसपी ललिता मेहर समेत 2 एसआई और महिला कांस्टेबल भी शामिल रहे।

नौकरी लगाने के नाम पर महिला से दुष्कर्म

10 हजार रुपए लिए, फिर डरा धमकाकर करता रहा रेप, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बालोद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के थाना पुरुर में नौकरी के नाम दुष्कर्म और धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपी ने महिला को डरा धमका कर, जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी को कोंडागांव से गिरफ्तार किया गया है।

घटना में प्रयुक्त सफेद रंग की कार भी जब्त की गई है। जिसकी लागत 2,00,000 रुपए बताई जा रही है। आरोपी का नाम देवानंद यदु (32) है, जो कोंडागांव जिले के कोहकामेटा थाना क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है।

पैसे लेने के बाद किया दुष्कर्म: बता दें कि महिला ने पुरुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी कि आरोपी देवानंद यदु ने नौकरी लगाने के नाम पर 10 हजार रुपए लिए। इसके बाद उसे डरा धमकाकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध भी बनाए।

शिकायत के बाद फरार था आरोपी: शिकायत के बाद से ही आरोपी लापता था। वह मोबाइल बंद कर पुलिस से छिपता हुआ फिर रहा था। पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने मामले को संज्ञान में लेकर टीम बनाई।

ज्यादा शराब पीने पर पत्नी की हत्या

पति ने डंडे से पीट-पीटकर मार डाला, फिर साले को फोन पर बताई मारपीट की बात

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पति ने पत्नी को डंडे से पीट-पीटकर मार डाला। महिला ने बहुत ज्यादा शराब पी ली थी। इस बात से पति नाराज हो गया। पति ने घर में रखे डंडे से प%ी की पिटाई कर दी। घटना लैलूंगा थाना क्षेत्र की है।

बताया जा रहा है कि घियारमुड़ा में रहने वाला जेठूराम पहले पत्नी शिवरात्रि के साथ खुद भी शराब पिया और फिर कहीं घूमने निकल गया था। वापस आने पर पत्नी शिवरात्रि ने और ज्यादा शराब पी ली। जिसे देख वह गुस्सा हो गया और डंडे से उसकी पिटाई कर दी।

पत्नी के भाई को फोन कर बताया: घटना के बाद मृतका शिवरात्रि के चचेरे भाई शिवा मांझी को आरोपी ने फोन कर बताया कि शराब पीने की बात को लेकर उसने मारपीट की थी। जिससे पत्नी की मौत हो गई। शिवा जब अपनी बहन के घर पहुंचा तो उसका शव वहां पड़ा था। शिवा ने बताया कि बहन के कमर में चोट के निशान थे।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार: लैलूंगा थाना प्रभारी राजेश जांगड़े ने बताया कि डंडे से पिटाई के बाद महिला का इलाज नहीं कराया गया। जिस कारण उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गरियाबंद में सांप के काटने से भाई-बहन की मौत

सांप को मारकर सो गया पिता, जहर चढ़ने के बाद रात को उल्टी करते उठे बच्चे

मीडिया ऑडीटर, गरियाबंद एजेंसी। गरियाबंद में सांप के काटने से भाई-बहन की मौत हो गई है। सांप के काटने से अनजान पिता की रात को नींद खुली तो घर में घुसे सांप को मार दिया। वहीं बच्चों को आधी रात उल्टी करते देख पिता को सांप के काटने का अंदेशा हुआ। वहीं अस्पताल पहुंचने में देर होने के कारण दोनों बच्चों की मौत हो गई।

दरअसल, अमलीपदर थाना क्षेत्र के धनोरा निवासी आदिवासी खोगेंद्र मांझी की बेटी कस्तूरी (16) और बेटा शेष (10) की बुधवार रात सांप काटने से मौत हो गई। खोगेंद्र के 5 संतान में मरने वाले बच्चे दूसरे और तीसरे नंबर के थे। बुधवार रात लघु शंका के लिए खोगेंद्र की नींद अचानक 12 बजे खुली तो सोए हुए परिवार के पलंग के आसपास घूम रहे करैत सांप को देखा।

सांप को मारकर सो गया पिता, आधी रात बच्चे करने लगे उल्टी: पिता ने अगले ही पल सांप को मार कर वापस सो गया। घटना से अंजान पिता के तब होश उड़ गए जब बेटा शेष रात करीबन ढाई बजे उल्टी करते उठा। पिता कुछ समझ पाता उससे पहले 16 साल की बेटी भी उल्टी करने उठ गई। परिजनों को इकट्ठा किया और इलाज के लिए वाहन ढूंढ रहा था। इसी दौरान बेटे के मुंह से झाग निकला और वह बोलना बंद कर दिया।

अस्पताल पहुंचने से पहले बच्चों ने तोड़ा दम: सुबह 5 बजे परिजन किसी तरह देवभोग अस्पताल पहुंचे तब तक बेटी की भी मौत हो गई थी। बीएमओ डॉक्टर प्रकाश साहू ने बताया कि बेटी के कमर में सांप काटने के निशान हैं। बेटे का निशान पोस्टमॉर्टम के समय पता चलेगा। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

देवभोग में एक युवक को सांप ने काटा: वहीं गुरुवार तड़के सुबह देवभोग में रहने वाले बबलू नाम के 28 साल के युवक को देवभोग अस्पताल भर्ती कराया गया था। युवक को आधी रात करैत सांप ने डस लिया था। डॉक्टर प्रकाश ने कहा कि प्रारंभिक इलाज के बाद युवक को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है, फिलहाल युवक की स्थिति नाजुक है।

एक महीने में 13 मामले, 9 जहरीले सांप के: पिछले एक महीने में सांप के काटने के 13 मामले आ चुके हैं, जिन्हें देवभोग अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। इसमें 9 मामले जहरीले सांप के थे। वहीं इनमे से 3 लोगों को मौत हो गई है।

क्लर्क का रिश्वत लेते वीडियों वायरल

साहब लोग डिमांड करते हैं इसलिए लेना पड़ता है, कोंडागांव में रिकॉर्ड निकालने किसान से मांगे पैसे

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में क्लर्क का रिश्वत लेते वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में राजस्व विभाग का क्लर्क अर्जुन नेताम 500-500 के कुछ नोट लेते दिख रहा है। वह यह भी कह रहा है कि, साहब लोग डिमांड करते हैं इसलिए लेना पड़ता है।

जानकारी के मुताबिक, एक किसान जमीन का रिकॉर्ड निकालने के लिए फरसगांव तहसील कार्यालय पहुंचा था। इसके लिए क्लर्क ने उससे पैसे मांगे। किसान ने 16 जुलाई को उसे पैसे देते हुए वीडियो बना लिया। बताया जा रहा है कि किसान ने पहले यह वीडियो किसी पटवारी को दिया, फिर पटवारियों के ग्रुप में वायरल किया। यहां से वीडियो अधिकारियों के संज्ञान में आया।

ट्रेनी आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर की मां होटल से गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। ट्रेनी आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर की मां मनोरमा को पुणे ग्रामीण पुलिस ने किसानों को धमकाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। वे रायगढ़ के महाड के एक होटल में नाम बदलकर रुकी थीं। मनोरमा कल रात 8 बजे एक लड़के के साथ होटल पहुंची थीं। होटल मालिक ने बातचीत में बताया कि मनोरमा ने लड़के को अपना बेटा बताया था। उनका यहां एक रात रुकने का प्लान था। रातभर के लिए उन्होंने 1 हजार रुपए होटल मलिक को दिए थे। होटल में एंट्री के समय उनके पास सिर्फ एक बैग था और कमरे में जाने के बाद उन्होंने रूम लॉक कर लिया। डिनर करने भी वे लोग कमरे से बाहर नहीं आए। पुलिस ने उन्हें रात 2 बजे हिरासत में लिया और सुबह गिरफ्तारी की। दरअसल, मनोरमा खेडकर का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वे पिस्तौल से किसानों को धमकाती नजर आ रही थीं। 13 जुलाई को मनोरमा समेत 7 लोगों के खिलाफ पौड पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। एफआईआर में आर्म्स एक्ट के चार्ज भी शामिल किए गए। केस दर्ज होने के बाद से वह फरार हो गई थीं।

जम्मू-कश्मीर में 3 जगह एनकाउंटर, कुपवाड़ा में 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के केरन इलाके में सेना ने एनकाउंटर में 2 आतंकियों को मार गिराया है। सेना को यहां कुछ आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान आतंकियों-सेना के बीच मुठभेड़ शुरू हुई, जो अभी भी जारी है। उधर, डोडा में भी दो जगह एनकाउंटर चल रहा है। गुरुवार तड़के आतंकवादियों के हमले में दो सैनिक घायल हो गए। सेना के अधिकारियों ने बताया कि कास्तीगढ़ इलाके के जद्दन बाटा गांव में बुधवार देर रात स्कूल में बने अस्थायी सुरक्षा शिविर पर आतंकियों ने गोलीबारी की। इसमें दो जवान घायल हुए। सेना ने फायरिंग की तो आतंकी जंगल की ओर भागे, वहां सेना ने उन्हें घेर रखा है। यहां सेना और आतंकियों के बीच रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। वहीं, जिले में एक अन्य जगह भी एनकाउंटर जारी है।

सुको का आदेश-नीट रिजल्ट सिटी और सेंटर वाइज जारी हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी परीक्षा रद्द होगी या नहीं, इस पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को भी फैसला नहीं हो सका। कैंडिडेट्स को अभी और इंतजार करना होगा। आज भी 4 घंटे सुनवाई चली। इस दौरान अदालत ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह सभी कैंडिडेट्स के रिजल्ट शनिवार दोपहर 12 बजे तक वेबसाइट पर अपलोड करे। रिजल्ट सेंटरवाइज और सिटीवाइज होना चाहिए। कोर्ट ने कहा, रिजल्ट अपलोड करते वक्त उम्मीदवार की पहचान जाहिर ना की जाए। हम सोमवार, 22 जुलाई को सुबह 10.30 बजे अगली सुनवाई शुरू करेंगे। ताकि दोपहर तक हम निष्कर्ष निकाल सकें। हम बिहार पुलिस रिपोर्ट की एक कॉपी भी चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार तक काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, काउंसलिंग में कुछ समय लगेगा। यह 24 जुलाई के आसपास शुरू होगी। सीजेआई ने कहा, हम सोमवार को ही सुनवाई करेंगे। नीट यूजी का एग्जाम 5 मई को हुआ था। इसमें 23.33 लाख से अधिक कैंडिडेट्स शामिल हुए। कुल 571 शहरों के 4,750 सेंटर्स पर एग्जाम कराया गया था, इनमें 14 विदेशी सेंटर्स भी शामिल हैं। नीट में गड़बड़ी से जुड़ी 40 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को तीसरी सुनवाई थी। इससे पहले 8 जुलाई और फिर 11 जुलाई को सुनवाई हुई थी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की डिवीजन बेंच मामले की सुनवाई कर रही है।

भारत ने मॉरीशस में खोला पहला सेंटर

अब विदेशों में भी बजेगा भारतीय जनऔषधि केंद्र की दवाओं का डंका

पोर्ट लुई (एजेंसी)। भारतीय जनऔषधि परियोजना का न सिर्फ भारत में बल्कि अब विदेशों में भी डंका बजने लगा है। देश भर के मरीजों को सस्ती जेनरिक दवाएं उपलब्ध कराने वाला भारतीय जन औषधि केंद्र का अब मॉरीशस तक विस्तार किया गया है। इसके तहत मॉरीशस में पहला भारतीय जन औषधि केंद्र खोला गया है, जो वहां के लोगों को सस्ते में जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराएगा। इस केंद्र को खोलने का वादा पीएम मोदी ने किया था। इसके बाद अब विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने मॉरीशस में पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया है।

बता दें कि जयशंकर 16 से 17 जुलाई तक दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस में थे। इस दौरान मॉरीशस के लोगों के लिए सस्ती दवाओं वाला यह जन औषधि केंद्र समर्पित किया गया। उद्घाटन के मौके पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ भी मौजूद रहे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ के साथ भारत के पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन दोनों देशों के बीच विशेष रूप से स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग का प्रमाण है। सभी को सस्ती जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए जन औषधि केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

जयशंकर ने कहा पीएम मोदी ने पूरा किया वादा: विदेश मंत्री जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री कुमार जगन्नाथ के साथ मॉरीशस में पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह औषधि केंद्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वादे के तहत शुरू किया गया है। उन्होंने कहा, भारत-मॉरीशस स्वास्थ्य साझेदारी परियोजना के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के लिए किफायती, भारत में निर्मित दवाओं की आपूर्ति की जाएगी।

समाजसेवी रूपेश पाण्डेय की विधान परिषद में होगी एंट्री!

उत्तरप्रदेश। बिहार के चम्पारण के मशहूर युवा समाजसेवी रूपेश पाण्डेय इसबार विधान परिषद के सदस्य बन सकते हैं। पिछले लोकसभा चुनावों में सीतामढ़ी संसदीय क्षेत्र से देवेश चंद्र ठाकुर के जीत जाने के कारण इस तिरहुत स्नातक क्षेत्र विधान परिषद की सीट खाली हुई है। इस सीट पर एनडीए की तरफ से कई सारे दावेदार हैं पर यह सीट देवेश चंद्र ठाकुर के इस्तीफा के कारण खाली हुई है इसलिए सीट पर ब्राह्मण जाति का हक बनता है, ऐसे में बिजनेसमैन रूपेश पांडेय बेहतर उम्मीद्वार हो सकते हैं। इसी महीने इस स्नातक क्षेत्र सीट के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी हो सकता है। रूपेश पाण्डेय का कहना है कि प्रदेश के बेहरोजगार स्नातक युवाओं के लिए वे कुछ करना चाहते हैं क्योंकि इन पढ़े लिखे बेरोजगार युवाओं में भरपूर ऊर्जा है और वे इसका सदुपयोग राज्य के विकास में करना चाहते हैं। यदि इनको समुचित व्यवस्थाएं मिलीं तो निश्चित ही बदलाव आएगा। बता दें कि बिहार विधान परिषद में सदस्यों का विस्तार होने जा रहा है, कुछ सीटें खाली हुई हैं उन्हें भरने की प्रक्रिया में इसबार किसी बड़े राजनीतिक दल के सिंबल पर व्यवसायी व समाजसेवी रूपेश पाण्डेय को बिहार विधान परिषद का सदस्य बनाया जा सकता है। बिहार के चम्पारण के रहने वाले बेहद कम उम्र में सफ़लता पाकर रूपेश पाण्डेय आजकल बिजनेस जगत में चर्चा का केंद्र बने हुए हैं।

रूपेश पाण्डेय कम उम्र में ही बड़े सपने लेकर भारत की आर्थिक राजधानी

हरियाणा में बदलाव की लहर, आम आदमी पार्टी ने कसी कमर, सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी पार्टी

पंजाब। हरियाणा में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। आम आदमी पार्टी ने ऐलान किया है कि वह इस बार सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि गुजरात में 14 प्रतिशत वोट मिलने के बाद %आप% अब एक राष्ट्रीय पार्टी बन चुकी है। दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाने के बाद अब आम आदमी पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी पूरी ताकत के साथ उतरेगी। सीएम भगवंत मान ने कहा कि दिल्ली और पंजाब में हमारी सरकार के कामों को

देखकर हरियाणा की जनता भी अब बदलाव चाहती है। हरियाणा ने इनेलो और अन्य स्थानीय पार्टियों सहित सभी राजनीतिक दलों को मौका दिया है, लेकिन अब लोग अरविंद केजरीवाल से उम्मीद कर रहे हैं। केजरीवाल हरियाणा के रहने वाले हैं और उन्होंने देश की राजनीति को बदलने में अहम भूमिका निभाई है, इसलिए लोग विश्वास कर रहे हैं कि वह हरियाणा में भी बदलाव ला सकते हैं। मान ने यह भी कहा कि हरियाणा की संस्कृति दिल्ली और पंजाब से काफी हद तक मिलती-जुलती है, जिससे आम आदमी पार्टी को लाभ मिलेगा। पंजाब के कई लोगों के हरियाणा में परिवारिक रिश्ते हैं और सीएम के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि मैं चुनाव प्रचार में सक्रिय रहूं। हरियाणा के लोग हिंदी बोलते हैं, जिससे संवाद स्थापित करना आसान होगा।

भगवंत मान ने जोर देकर कहा

5 बड़े नेता, जिन्होंने सीएम योगी के खिलाफ खोला मोर्चा,नेताओं के खिलाफ उभरते विरोधी ध्वनियां

उत्तरप्रदेश (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में तेजी से बदलाव की तेज रफ्तार देखने को मिल रही है। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों के बाद भाजपा में हलचल मची हुई है, जहां एक ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पक्ष में तेजी से उमड़ते हुए अनुशासन और विकास की बातें की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर विपक्षी ध्वनियां भी मजबूती से उभर रही हैं। उधर अखिलेश यादव मॉनसून ऑफर दे रहे हैं कि 'सौ लाओ, सरकार बनाओ'। जाहिर है कि सत्ता पक्ष में मचे घमासान पर विपक्ष चुटकी लेने से बाज नहीं आ रहा है। हालांकि, प्रदेश अध्यक्ष प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर हार की जिम्मेदारी ले चुके हैं, लेकिन यूपी के नेताओं ने प्रदेश

नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा के प्रमुख नेताओं में से एक, केशव प्रसाद मौर्या ने अपनी बड़ी बात से राजनीतिक गलियारे में धमाल मचा दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से उच्चाधिकारियों को समझाया कि पार्टी के लिए कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। केशव ने बीजेपी कार्यसमिति की मीटिंग में साफ तौर पर कह दिया कि '7 कालिदास मार्ग (लखनऊ में केशव मौर्या का आवास) कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा खुला रहता है। कार्यकर्ता का दर्द मेरा दर्द है। संगठन, सरकार से बड़ा है। केशव मौर्या के इसी बयान के बाद केंद्रीय नेतृत्व को हस्तक्षेप करना पड़ा। केशव मौर्या, भूपेंद्र चौधरी के साथ दिल्ली तलब किए गए और फिर अंदरूनी खींचतान को ढंकने की कोशिश हुई। ओम प्रकाश राजभर भी एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने अपनी बयानबाजी से पार्टी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी पर सवाल उठाया है।

नीतीश सरकार ने अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक, महिलाओं और युवाओं के लिए चलाई ये बड़ी योजना

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक, महिलाओं और युवाओं के लिए बड़ी योजना चलाई है। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत इन वर्गों में उद्यमी पैदा करने के लिए दस लाख रुपए की सहायता दी जा रही है। इसमें भी नीतीश सरकार पचास फीसदी की राशि अनुदान में दे रही है। इसका मतलब ये हुआ कि जिस भी व्यक्ति को दस लाख रुपए मिलेंगे उसमें से पांच लाख रुपए सरकार माफ कर देगी। बाकी बचे पांच लाख रुपए को भी बिना ब्याज के सिर्फ मूलधन चुकाना पड़ेगा। अनुसूचित जाति,जनजाति,अल्पसंख्यक और महिलाओं को तो पांच लाख रुपए पर कोई ब्याज नहीं देना है।

शिक्षक अभ्यर्थियों को मिली बड़ी राहत, पटना हाईकोर्ट ने बीपीएससी टीआरई 1 का पूरक रिजल्ट जारी करने का दिया आदेश

पटना (एजेंसी)। बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर पटना हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने बीपीएससी टीआरई 1 का पूरक रिजल्ट जारी करने का आदेश दिया है। शिक्षक अभ्यर्थियों की मांग पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उन्हें बड़ी राहत दी है। धीरेंद्र कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए पटना हाईकोर्ट ने बीपीएससी टीआरई वन का पूरक रिजल्ट जारी करने का आदेश बीपीएससी और शिक्षा विभाग को दिया है। इस केस की पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता वाई वी गिरी ने की थी। बता दें कि अक्टूबर 2023 में ही बीपीएससी टीआरई 01 का रिजल्ट जारी हुआ था जिसमें पहले चरण में सप्लीमेंट्री परिणाम घोषित किया गया था। इसमें कुल 2773 उम्मीदवारों को पास किया गया था। जबकि4797 सीटों पर भर्ती की जानी थी, बाद में 2024 सीटें खाली रह गई थीं। इसके बाद आयोग की ओर से कहा गया था कि अब खाली बची सीटों को दूसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा में जोड़ा जाएगा। अब इन तमाम सीटों के लिए सप्लीमेंट्री रिजल्ट जारी नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों ने शिक्षा विभाग के इस फैसला का विरोध कर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी थी जिसके बाद कोर्ट ने आज शिक्षक अभ्यर्थियों के पक्ष में अपना निर्णय सुनाया।।

18 जुलाई से माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं को मिलेगी यह बड़ी सुविधा

जम्मू (एजेंसी)। माता वैष्णो देवी के दरबार जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी खबर सामने आई। माता के दरबार आने वाले अ श्रद्धालु मुफ्त में लंगर खा सकेंगे। इतना ही नहीं यह सेवा 6 सालों के लिए हर गुरुवार को उपलब्ध रहेगी।

दरअसल, हिमाचल के उद्यमी महिंद्र शर्मा ने माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड कटरा को 1.1 करोड़ रुपये लंगर के लिए दान स्वरूप भेंट किए हैं। माता के लंगर की शुरूआत 18 जुलाई 2024, गुरुवार से होगी। कटरा में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अंशुल गर्ग को डॉक्टर शर्मा ने एक करोड़ एक लाख रुपए का पंजाब नेशनल बैंक में भेंट की है। उन्होंने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड को 18 जुलाई 2024 से 3 अक्टूबर 2030 तक आने वाले हर एक वीरवार को माता के भक्तों को लंगर की सुविधा देने की घोषणा की। जिसके 31,000 रुपए प्रति लंगर की धनराशि दी। इस धनराशि से श्राइन बोर्ड लगभग 325 लंगर का आयोजन कर सकती है। 61 वर्षीय डॉक्टर महिंद्र शर्मा ऊना जिला के बढेड़ा राजपूतां के रहने वाले है। वे एक समाज सेवी है और नई दिल्ली के इस्कॉन मन्दिर की नवीकरण, पुनरोद्धार समिति के वाइस चेयरमैन हैं।

बढ़ते अपराध को लेकर एक्शन मोड में सीएम नीतीश, 19 जुलाई को बुलाई हाई लेवल मीटिंग, अधिकारियों को देंगे सख्त निर्देश

पटना (एजेंसी)। बिहार में लगातार हो रही हत्या, अपहरण, लूटपाट और अन्य क्राइम की घटनाओं के कारण तनाव का माहौल पैदा हो गया है।बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर विपक्ष भी सरकार पर लगातार कटाक्ष कर रहा है।

अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर एक्शन मोड में आ गए हैं। नीतीश कुमार ने सीएम आवास में आला अधिकारियों के साथ 19 जुलाई को हाई लेवल बैठक बुलाई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार में लॉ एंड ऑर्डर सहित अपराध नियंत्रण को लेकर 19 जुलाई की शाम करीब चार बजे समीक्षा बैठक करेंगे। विधि-व्यवस्था के संबंध में होने वाली बैठक को लेकर पुलिस अधीक्षकों को क्राइम से संबंधित आंकड़ों को साथ लाने के निर्देश दिए गए हैं। बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर सीएम नीतीश आला अधिकारियों से जवाब मांग सकते हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार के लिए मुख्यमंत्री सख्त निर्देश भी देंगे।

इस बैठक में सभी जिले के डीएम और एसपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होंगे। इसके साथ ही बैठक में राज्य के डीजीपी, एडीजी मुख्यालय और एडीजी लॉ एंड ऑर्डर सहित अन्य आला अधिकारी मौजूद रहेंगे।

भाजपा की बैठक में लालू यादव पर बरसे सम्राट चौधरी, कहा- घर से पूरे बिहार के क्राइम को ऑर्गेनाइज करते थे राजद अध्यक्ष

पटना (एजेंसी)। बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आज पटना एसके मेमोरियल हॉल में हुई। इस मौके पर बीजेपी बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के अलावा भाजपा के कई बड़े नेता मौजूद थे। वहीं, बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव पर जोरदार हमला बोला। सम्राट चौधरी ने कहा कि कुछ लोग बोलते हैं कि कानून का राज खत्म हो रहा है। लालू यादव और उनके परिवार को बोलने का अधिकार

नहीं है। सीएम रहते हुए लालू यादव अपने घर से पूरे बिहार के क्राइम को ऑर्गेनाइज करते थे, लेकिन आज 24 से 48 घंटे में अपराधी को ढूंढ लेते हैं।

चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस एक्सीडेंट: 2 लोगों की मौत, 13 ट्रेनें प्रभावित, स्थिति की निगरानी कर रहे रेल मंत्री

उत्तरप्रदेश (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोंडा रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार को चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की छह बोगियां पटरी से उतर जाने से कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। बुधवार रात 11.35 बजे चंडीगढ़ स्टेशन से रवाना हुई ट्रेन असम के डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई थी। यह हादसा उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के मोतीगंज-झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच हुआ। रेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मृतकों के परिवार को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल होने पर 2.5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है। सीआरएस जांच के अलावा उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

बिहार राज्य की जलवायु अनुकूलन एवं न्यून कार्बन उत्सर्जन विकास रणनीति' प्रोजेक्ट के तहत पूर्णिया में आयोजित की गई कार्यशाला

पूर्णिया (एजेंसी)। पूर्णिया समाहरणालय में स्थित सभागार में कार्बन न्यूट्रल स्टेट बनाने की दिशा में बिहार राज्य की जलवायु अनुकूलन एवं न्यून कार्बन उत्सर्जन विकास रणनीति प्रोजेक्ट के तहत कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर समाहर्ता (विधि-व्यवस्था) राजकुमार गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव उत्तर बिहार में सर्दी के महीनों में धुंध

और ग्रीष्म ऋतु में अत्यधिक गर्मी के रूप में देखे जा रहे हैं। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम बिहार को देश का पहला नेट ज़ीरो राज्य बनाने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से सभी आवश्यक प्रयास करें। कार्यशाला की विस्तृत जानकारी डब्लू आर.आई. इंडिया के प्रोग्राम प्रबन्धक डॉ. शशिधर कुमार झा एवं मणि भूषण कुमार झा द्वारा दी गई। मणि भूषण ने कहा कि बिहार में जलवायु परिवर्तन मौजूदा जोखिमों को और बढ़ा सकता है।

एसकेवॉय और हार्दिक पंड्या में से कौन टी20 कप्तानी की रेस में आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम को खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। उनके जाने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड नए कप्तान की तलाश में है। हालांकि, वनडे और टेस्ट में रोहित ही कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनने की रेस में हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार का नाम सबसे आगे है। लेकिन श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान करने के लिए होने वाली सेलेक्शन कमेटी की मीटिंग में नए कप्तान के रूप में सूर्यकुमार के नाम पर काफी चर्चा हुई है। हार्दिक पंड्या को रोहित शर्मा के स्पष्ट उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा था लेकिन कई कारकों ने चीजों को बदल दिया है। मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और चयनकर्ता उन्हें अपनी पसंद की सीरीज चुनने देने के मूड में नहीं हैं। सूर्यकुमार यादव कप्तान बनने की रेस में उनसे आगे निकल गए हैं। सेलेक्शन कमेटी की मीटिंग को पोस्टपोन कर दिया गया था। अब गुरुवार को बैठक होने की संभावना है। गौतम गंभीर मंगलवार शाम को बीसीसीआई अधिकारियों और चयन समिति के साथ आगे की रणनीति के बारे में अनौपचारिक बातचीत में शामिल थे।

सूर्यकुमार आईसीसी टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं जबकि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायवाल छठे स्थान पर पहुंच गए।

रुतुराज गायकवाड़ टी20 बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान के नुकसान से आठवें पायदान पर हैं। जिंबाब्वे के खिलाफ टी20 श्रृंखला में भारत की 4-1 की जीत के बाद रैंकिंग को अपडेट किया गया है। श्रृंखला में 141 रन बनाने वाले जायसवाल को चार स्थान का फायदा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे हैं। सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में जिंबाब्वे दौरे पर भारतीय टीम की अगुआई करने वाले शुभमन गिल पांच पारियों में 170 रन बनाकर श्रृंखला के शीर्ष स्कोरर रहे। वह 36 स्थान की लंबी छलांग के साथ 37वें स्थान पर हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई भारतीय शीर्ष 10 में नहीं है। जिंबाब्वे के खिलाफ श्रृंखला से अक्षर पटेल को ब्रेक दिया गया था और वह चार स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर खिसक गए हैं। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और वाशिंगटन सुंदर को रैंकिंग में फायदा हुआ है। तीन मैच में आठ विकेट चटकाने वाले मुकेश 36 स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

हार्दिक पंड्या से तलाक की अफवाहों के बीच बेटे संग एयरपोर्ट पर नजर आईं नताशा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और उनकी पत्नी नताशा स्टेनकोविक की तलाक की अफवाहें जोर पकड़ रही हैं। कहा जा रहा है कि दोनों की शादी खतरे में है। वैसे इस जोड़े ने इन अफवाहों को लेकर अब तक सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया। हालांकि, इन अफवाहों के बीच, नताशा अपने तीन साल के बेटे अगस्त्या के साथ मंगलवार शाम को मुंबई से बाहर निकल गईं। सर्बियाई डांसर और मॉडल नताशा और अगस्त्या को मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देखा गया। इंस्टाग्राम पर पैपराजी अकाउंट पर दोनों की वीडियो सामने आए। वीडियो में अगस्त्य चमकती रोशनी के कारण थोड़ा असहज लग रहा है और अपनी मां के साथ टर्मिनल में प्रवेश करते समय अपनी आंखें मूंद रहा है। दूसरी ओर, नताशा काफी शांत दिखईं और पैपराजी की ओर हाथ हिलाया। बता दें कि, पहले आईपीएल 2024 फिर टी20 वर्ल्ड कप 2024 और अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के दौरान भी हार्दिक के साथ नताश नजर नहीं आईं।

आईपीएल 2024 के दौरान हार्दिक पंड्या को ट्रोलिंग और हूटिंग का सामना करना पड़ा। लेकिन हर बार की तरह इस बार नताशा को आईपीएल मैचों के दौरान स्टैंड पर नहीं देखा गया। इस दौरान उन्होंने हार्दिक के साथ अपनी सभी तस्वीरें इंस्टाग्राम से हटा दी। उसके बाद जब टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता तो भी हार्दिक के साथ नताशा कहीं भी नजर नहीं आईं। जिससे लोगों का शक और ज्यादा पुख्ता हो गया।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेल सकते हैं रोहित शर्मा, विराट कोहली और बुमराह नहीं होंगे उपलध

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ने जून में टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीता और जुलाई केपहले और दूसरे हफ्ते में टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज खेली। वहीं अब टीम इंडिया को अगला दौरा श्रीलंका का करना है। जहां दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। टी20 सीरीज के लिए स्पष्ट है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं जबकि जसप्रीत बुमराह नहीं खेलेंगे। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया है कि हर खिलाड़ी को तीनों फॉर्मेट के लिए उपलब्ध रहना होगा। ऐसे में क्या रोहित, विराट और बुमराह पर वनडे सीरीज खेलने का दबाव है? तो इसका जवाब है नहीं, क्योंकि बोर्ड ने इन तीनों दिग्गजों को रियायत दी है।

हालांकि, रोहित शर्मा की ओर से कुछ संकेत मिल रहे हैं कि वह अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाले तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए अपने आप को उपलब्ध करा सकते हैं। इस बात को देखते हुए कि फरवरी-मार्च 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बहुत कम वनडे मैच टीम इंडिया को खेलने हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो इसकी वजह है कि रोहित शर्मा इन तीनों वनडे मैचों में नजर आ सकते हैं। वे फिलहाल यूएस में अपनी छुट्टियां मना रहे हैं। उम्मीद है कि वह बीसीसीआई को अपनी

उपलब्धता के बारे में जल्द सूचित करेंगे। संभवतः बुधवार को ऑनलाइन होने वाली बैठक से पहले वह बोर्ड को अपना भेज देंगे। अगर रोहित वनडे सीरीज में खेलने का फैसला करते हैं तो वह निस्संदेह टीम की अगुवाई करेंगे। लेकिन जसप्रीत बुमराह और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को श्रीलंका सीरीज के लिए आराम दिया गया है और उनके टीम में शामिल होने की संभावना कम ही है। कोहली और बुमराह आईपीएल 2024 के बाद टी20 वर्ल्ड कप में खेले थे और अब जल्द वे बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में भी खेलते हुए नजर आएंगे। टेस्ट सीरीज भी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से काफी मायने रखती है। वहीं, इनकी जगह अन्य खिलाड़ियों को आजमाया जा सकता है, इनमें श्रेयस अय्यर का नाम भी शामिल हैं इसलिए उनकी वापसी हो सकती है।

इस पूर्व कप्तान की पत्नी और बच्चों के सामने गोली मारकर हत्या

कोलबो (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व कप्तान धम्मिका निरोशन की मंगलवार रात को किसी अज्ञात हत्यारे द्वारा हत्या कर दी गई। दरअसल, श्रीलंकाई मीडिया के अनुसार, श्रीलंका की अंडर-19 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान धम्मिका निरोशन (41) को गॉले जिले के एक छोटे से शहर अम्बालांगोडा के कांडा मावथा में उनके आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। स्थानीय पुलिस के अनुसार, धम्मिका निरोशन पत्नी और दो बच्चों के साथ थे, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर गोली चलाई। वहीं पुलिस अब तक संदिग्ध को पकड़ नहीं पाई है। फिलहाल गहन जांच जारी है, लेकिन अपराध के पीछे का मकसद अब तक स्पष्ट नहीं है। धम्मिका निरोशन को कथित तौर पर 12 बोर की राइफल से गोली मारी गई। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज धम्मिका निरोशन को उनके खेल के दिनों में एक उभरती हुई प्रतिभा के रूप में जाना जाता था। धम्मिका निरोशन ने 2001 से 2004 तक गॉले क्रिकेट क्लब के लिए 12 प्रथम श्रेणी और 8 लिस्ट ए मैच खेले। उसमें उन्होंने 300 से ज्यादा रन बनाए और 19 विकेट लिए। उन्होंने 2000 में श्रीलंकाई अंडर-19 टीम के लिए डेब्यू किया

शुभमन गिल के साथ डेटिंग की अफवाहों पर बोलीं रिद्धिमा पंडित, कहा- वह बहुत सुंदर...

नई दिल्ली(एजेंसी)। पिछले कुछ समय से भारतीय युवा क्रिकेटर शुभमन गिल का टीवी एक्ट्रेस रिद्धिमा पंडित के साथ अफेयर की खबरें उड़ रही हैं। वहीं लगातार चल रही अफवाहों के बीच रिद्धिमा पंडित ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया है कि इस तरह के दावों की सच्चाई क्या। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और गिल एक दूसरे को डेट कर रहे हैं, तो उन्होंने भारतीय क्रिकेट को क्यूट तक बताया। बता दें कि रिद्धिमा और गिल की उम्र में 9 साल का फर्क है। फिल्मीज्ञान ने रिद्धिमा पंडित के इंटरव्यू की छोटी सी क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इसमें रिद्धिमा से शुभमन गिल के साथ डेटिंग को लेकर सवाल होता है। टीवी अदाकारा इस खबर को गलत बताती हैं। वह गिल को क्यूट तो बताती हैं साथ में ये भी कह देती हैं कि दोनों एक दूसरे को जानते तक नहीं हैं। दोनों के बीच कुछ नहीं चल रहा। रिद्धिमा पंडित ने शुभमन गिल को डेट करने को लेकर कहा कि, नहीं पहले बात कि मैं उन्हें जानती भी नहीं हूं। मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, लेकिन मैं उन्हें नहीं जानता। जब मैं कभी उनसे मिलूंगी, मुझे पूरा यकीन है कि हम लोग इस बारे में हंसेंगे। मुझे लगता है कि वह बहुत क्यूट हैं, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं चल रहा। मई 2024 में रिद्धिमा ने शुभमन के सात अपनी शादी की अफवाहों पर रिएक्ट किया था। उनकी प्रतिक्रिया उन रिपोर्टों के बाद आई थी, जिसमें दावा किया गया था कि बहू हमारी रजनीकांत की एक्टर दिसंबर 2024 में क्रिकेटर के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगी। जैसे ही शादी की अटकलें फैलीं, रिद्धिमा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट करके इसका खंडन किया। वहीं रिद्धिमा ने कहा था कि, सुबह उठते ही पत्रकारों के बहुत सारे फोन आए जो मेरी शादी के बारे में पूछ रहे थे, लेकिन कैसी शादी? मैं शादी नहीं कर रही हूं और अगर मेरे जीवन में ऐसा कुछ अहम हो रहा है तो मैं खुद आकर इसकी घोषणा करूंगी। इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है।

आईसीसी ने छह देशों को आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार के लिए चुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार 2023 के वैश्विक विजेताओं की घोषणा जिसमें छह उभरते हुए देश मेक्सिको, ओमान, नीदरलैंड, यूएई, नेपाल और स्कॉटलैंड शामिल हैं। पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान शानदार प्रदर्शन के अलावा महत्वपूर्ण पहल के लिए 21 उभरते हुए देशों में से छह को पुरस्कारों के लिए चुना गया और इनका चयन एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया गया। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार इस साल विजेताओं का चयन अप्रैल में घोषित क्षेत्रीय पुरस्कार विजेताओं की सूची से किया गया।

जय शाह बनेंगे आईसीसी के चेयरमैन? बीसीसीआइ से लेना होगा इतना ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी के कोलंबो में शुक्रवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय वार्षिक सम्मेलन के दौरान सभी की निगाहें बीसीसीआई के सचिव जय शाह पर होंगी जहां इस बात पर गंभीर चर्चा हो सकती है कि वह न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले से वैश्विक संस्था के अध्यक्ष का पद कब संभालेंगे। शुक्रवार को बोर्ड की बैठक के साथ शुरू होने वाले आईसीसी सम्मेलन में वैश्विक संस्था द्वारा अमेरिका में टी20 विश्व कप मैचों की मेजबानी में दो करोड़ अमेरिकी डॉलर से ज्यादा के नुकसान पर चर्चा होने की उम्मीद है। हालांकि, एजीएम के नौ सूत्रीय एजेंडे में टूर्नामेंट का वित्तीय विवरण शामिल नहीं है, लेकिन बोर्ड द्वारा कार्यक्रम के बाद की रिपोर्ट के रूप में इस पर चर्चा की जाएगी जो एक मानक संचालन प्रक्रिया है। आईसीसी की सदस्यता, एसोसिएट सदस्यों की बैठक की रिपोर्ट और आईसीसी विकास पुरस्कार प्रस्तुति पर चर्चा के साथ-साथ आईसीसी के नए बाहरी लेखा परीक्षक की नियुक्त भी एजेंडे में है। एक अन्य अहम बिंदु- चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का पाकिस्तान नहीं जाना, आईसीसी बोर्ड के आधिकारिक एजेंडे का हिस्सा नहीं है जब तक कि इसे कोई अन्य काम वर्ग के तहत अध्यक्ष अनुमति से नहीं लाया जाता। हालांकि, चीजों की जानकारी रखने वाले आईसीसी के एक सूत्र ने कहा कि आईसीसी में सभी की मुख्य रूप से इसमें है कि शाह वैश्विक संस्था की बागडोर कब संभालेंगे। आईसीसी सूत्र ने कहा कि, ये कैसे के बारे में नहीं है, बल्कि कब के बारे में है क्योंकि बीसीसीआई सचिव के रूप में उनके पास अब भी एक साल बचा है जिसके बाद संविधान के अनुसार भारतीय बोर्ड में उनका ब्रेक 2025 में शुरू होगा। हालांकि, अगर उन्हें 2025 में पदभार संभालना है तो बार्कले दिसंबर 2024 से दिसंबर2026 तक दो साल का अपना तीसरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे।

अमित मिश्रा ने बयां की विराट कोहली की नवीन उल हक और गौतम गंभीर से लड़ाई के पीछे की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2023 के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर गौतम गंभीर और आरसीबी के बल्लेबाज विराट कोहली के बीच लखनऊ में हुई तीखी बहस हुई थी। एलएसजी के लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बताया कि कोहली ने एलएसजी के खिलाड़ियों को गाली देना शुरू किया था। इसके बाद गंभीर ने हस्तक्षेप किया था। लखनऊ में खेले गए इस मैच में कोहली और अफगानिस्तान के क्रिकेट नवीन उल हक के बीच लड़ाई सबने देखी थी। बात इतनी बढ़ी थी कि गौतम गंभीर और विराट कोहली एक दूसरे लड़ गए थे। लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर अमित मिश्रा ने यूट्यूबर शुभांकर मिश्रा के शो अनप्लग्ड पर लड़ाई का पूरा कारण बताया। अमित मिश्रा ने बेंगलुरु में हुए मैच को लेकर कहा कि, बेंगलुरु में हम मैच खेल रहे थे। लास्ट ओवर में मैच जीते थे तो उसमें गंभीर ने थोड़ा का अग्रसेन दिखा दिया। हल्का फुल्का। क्योंकि पब्लिक बहुत ज्यादा उल्टा-पुल्टा कर रही थी। शोर मचा रही थी। ये कर रही थी लास्ट में क्या हुआ कि हम मैच जीत गए। गौतम गंभीर ने कहा कि इतना शोर मत मचाओ। चुप हो जाओ हम जीत जाएंगे। उस मैच में भी कुछ हुआ। बीच में विराट कोहली की तरफ से किसी की तरफ चलो वो तो बात वहीं खत्म हो गई। अमित मिश्रा ने लखनऊ वाले मैच में कोहली के रवैये को लेकर कहा कि, हमें नहीं पता था कि विराट कोहली इसे आगे बढ़ा देंगे हमारे मैच में। वो तो ठीक है हमें इससे प्रॉब्लम नहीं था, लेकिन उन्होंने हमारे खिलाड़ियों को अपशब्द कहना शुरू कर दिया। कोई भी जा रहा है। काइल मेयर्स से उनका क्या दुश्मनी है। उन्हें उल्टा बोल रहे हैं आउट होने के बाद। नवीन उल हक बॉल डाल रहे हैं उनको उल्टा बोल रहे हैं। कुछ प्लेयर्स को उल्टा-पुल्टा बोले। पब्लिक को हाथ दिखा रहे हैं, ये कर रहे हैं, वो कर रहे हैं बहुत सी चीजें अवाइड हो सकती थीं, लेकिन विराट कोहली ने नहीं किया। साथ ही अमित मिश्रा ने नवीन से विराट की हुई लड़ाई को लेकर कहा कि, उसके बाद भी जब मैं नवीन के साथ बैटिंग कर रहा था तो उससे जाकर बोला यार तू किससे बात कर रहा है वो यंगस्टर है। चुप हो जाओ, हो गया सो हो गया। खत्म करो इतनी बातें हो रही हैं। कोहली ने कहा कि, नहीं आप मुझे क्यों समझा रहे हो उसको समझाओ। हालांकि, उन्होंने (कोहली) मेरे को कुछ नहीं बोला। बहुत तमीज से बात की। मुझे मत समझाओ उसे समझाओ। मैंने कहा वो तो चुप है आप बोले जा रहे हैं, मैंने कहा वो चुपचाप खड़ा हो गया है न। आप यहां से बोले जा रहे हैं। कोहली ने कहा कि नहीं मुझे मत समझाओ। उसको समझाओ आप क्या बदतमीजी कर रहा है। अमित मिश्रा ने कहा कि, ठीक है उसने कर भी दी। आप बड़े प्लेयर हैं उनसे, वो आपके आसपास भी नहीं हैं। क्यों बहस कर रहे हैं मैंने इतना कहा बस। अमित मिश्रा ने गौतम गंभीर और विराट कोहली की लड़ाई को लेकर कहा कि, सबसे बड़ी दिक्कत कब आई जब मैच खत्म हो गया। उसके बाद उन्होंने (कोहली) उसे (नवीन) फिर अपशब्द कहना शुरू कर दिया। हाथ मिलाते के टाइम पर दिक्कत शुरू हुई। जब गंभीर आए, गंभीर को तब गुस्सा आया। यार मैच खत्म हो गया। आप जीत भी गए।

फिर आप क्यों शुरू कर दिया क्यों बोल रहे हो? बदतमीजी कर रहे हो? तो मैं फिर गौती के साथ खड़ा हुआ। अब आप जाएं, हो गया उस टाइम मुझे भी गुस्सा आ गया। फिर वो चले गए, तो फिर बाद में बात हुई नवीन ने आकर बताया कि मेरे फिर वो बदतमीजी कर रहा था हाथ मिलाते टाइम।

आईसीसी रैंकिंग में शुभम गिल को बड़ा फायदा, यशस्वी ने लगाई छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने टी20 की ताजा रैंकिंग जारी की है। हाल ही में खत्म हुई भारत और जिम्बाब्वे के बीच खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद शुभमन गिल को बड़ा फायदा हुआ है। इस दौरान गिल ने 36 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। उनके अलावा टीम के ओपनर यशस्वी जायसवाल को भी आईसीसी की रैंकिंग में फायदा हुआ है। दरअसल, जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20आई सीरीज के बाद आईसीसी टी20 रैंकिंग में शुभमन गिल ने 36 स्थान की छलांग लगाई है। शुभमन गिल आईसीसी टी20 बैटिंग रैंकिंग में 37वें पायदान पर पहुंचे हैं। वहीं गिल भारत की तरफ से चौथे हाइएस्ट प्लेयर बने हैं, जिन्होंने रोहित शर्मा को पछाड़ दिाय है। रोहित शर्मा टी20 रैंकिंग में 42वें स्थान पर है, जबकि विराट कोहली 51वें पायदान पर है। इन दोनों ही दिग्गज ने टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के बाद टी20 से विदाई ले ली है। इसके साथ ही यशस्वी जायसवाल ने जिम्बाब्वे के खिलाफ ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 125 के स्ट्राइक रेट से 170 रन बनाए। पहले दो टी20 मैच को मिस करने के बाद उन्होंने शानदार तरीके से वापसी की। जायसवाल ने चौथे टी20 मैच में नाबाद 93 रन की पारी केली और तीन मैचों में 141 रन बनाए। इस

दौरान उनका स्ट्राइक रेट 165 रन रहा। इसके अलावा जिम्बाब्वे पेसर मुझरबानी को आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग ने 11 स्थान की छलांग लगा और अब वह 44वें पायदान पर मौजूद है। जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने 36 स्थान की छलांग लगाई और वह 46वें पायदान पर पहुंच गए। मुकेश कुमार ने आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 21 स्थान की छलांग लगाई और वह 73वें पायदान पर है। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में पहले पायदान पर है।

वन भूमि और राजस्व की जमीन चिन्हाकिंत कर संरक्षित करने का अभियान चलाये

वृक्षारोपण कार्य की वृहद कार्य योजना बनायें : सांसद

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि जिले में वृक्षा रोपण और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौध रोपण की वृहद कार्य योजना तैयार कर अधिकाधिक रूप से वृक्षारोपण किया जाये। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण और प्रोजेक्ट कार्यों के लिए जमीन की सहज उपलब्धता के लिए वन भूमि और राजस्व की जमीन को चिन्हाकिंत कर उसे सुरक्षित किये जाने का अभियान चलाये। सांसद सिंह ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में वन, विद्युत, जल जीवन मिशन, कृषि एवं स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट वर्क के साथ ही सीवर लाइन और रेस्टोरेशन कार्य की समीक्षा भी की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा, कलेक्टर मैहर रानी बाटड, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, डीएफओ विपिन पटेल सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

वृक्षारोपण कार्य की समीक्षा में सांसद सिंह ने कहा कि जिले में हरियाली अमावस्या के दिन एक साथ पौध रोपण की वृहद कार्य योजना बनाये। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने बताया कि वन विभाग द्वारा 12 लाख पौधे और अन्य विभागों सहित कुल 14 लाख पौधे रोपित करने की योजना बनाई गई है। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने बताया कि अभियान में मैहर जिले के नगरीय क्षेत्र में 3 लाख और ग्रामीण क्षेत्रों में 5 लाख सहित 8 लाख पौधे रोपित किये जाने की योजना बनाई गई है। डीएफओ विपिन पटेल ने बताया कि सतना वन मंडल के सभी परिक्षेत्रों में एक पेड मां के नाम कार्यक्रम के तहत अब तक 4834 पौधे रोपित किये गये है। विभागीय प्लांटेशन में 1820 हेक्टेयर वन भूमि में 11 लाख 6 हजार 875 पौधे लगाये जायेंगे।

विद्युत विभाग की आरडीएसएस योजना की समीक्षा में बताया गया कि जिले के 38 सब स्टेशनों में कैपेसिटर बैंक बनाना प्रस्तावित है। योजना में 33 केवी लाइन के 17 फीडरों में इंटर कनेक्शन का कार्य जारी है। संभाग में स्थापित 22 हजार 503 ट्रांसफार्मर में 710 ट्रांसफार्मर फेल हुए। जिनमें 545 ट्रांसफार्मर बदल दिये गये हैं। शेष 165 बदलने योग्य ट्रांसफार्मर में 34 इलिजिबल और 131 नाट इलिजिबल श्रेणी के हैं। सांसद सिंह ने कहा कि आरडीएसएस योजना की जानकारी जनप्रतिनिधियों के साथ साझा करें और फीडर सेपरेशन के कार्य में तेजी लाने संविदाकार के विरूद्ध पेनाल्टी लगाये।

जल जीवन मिशन में जल निगम के कार्यों की समीक्षा में बताया गया कि सतना बाण सागर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना फेज-1 में 980 गांव सम्मिलित हैं। योजना मार्च 2025 तक पूरी होगी। योजना में 93 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। फिलहाल 122 गांवों में नल से जल पहुंचा रहे हैं। 31 जुलाई तक 163 गांव तक पानी पहुंचाकर देंगे। सतना बाणसागर-2 समूह जल प्रदाय योजना में 995 गांव सम्मिलित हैं। योजना का 30 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। कंप्लीशन की डेट मार्च 2025 रखी गई है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की समीक्षा में बताया गया कि सतना और मैहर जिले में खरीफ 2024 में 3 लाख 27 हजार हेक्टेयर क्षेत्राच्छादन का लक्ष्य है। जिसमें अभी तक 38 प्रतिशत बोनी अर्थात 1 लाख 27 हजार हेक्टेयर में पूर्ण कर ली गई है। सांसद सिंह ने कहा कि वर्षा की स्थिति को देखते हुए किसानों को मोटे अनाज की खेती के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि खाद और बीच की सुगम उपलब्धता के लिए एफपीओ (किसान उत्पादन संगठन) को प्रोत्साहित करें। सांसद ने कहा कि जहां सिंचाई का पानी और विद्युत की उपलब्धता नहीं हो। उसे क्षेत्र के किसानों को सौर ऊर्जा चलित सिंचाई पंप लगाने प्रोत्साहन दें। सोलर पंप में सरकार सब्सिडी भी दे रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए उद्यानिकी और दुग्ध उत्पादन कार्य से जोड़े।

जिला अस्पताल में युवक की मौत पर हंगामा

मैहर सिविल हॉस्पिटल में पार्षद पति पर कर्मचारी को पीटने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना के जिला अस्पताल और मैहर के सिविल हॉस्पिटल में बुधवार रात जमकर हंगामा हुआ। हालात इस कदर खराब हुए कि प्रशासन एवं पुलिस के अफसरों को देर रात मौके पर पहुंच कर मामला शांत कराना पड़ा। मैहर में तो बात कर्मचारियों की हड़ताल तक जा पहुंची थी।

जिला अस्पताल में युवक की मौत पर भड़के परिजन: सतना जिला अस्पताल में बुधवार देर रात गंभीर हालत में लाए गए मिथलेश ताम्रकार (45) निवासी आदर्श नगर की मौत होने पर हंगामा खड़ा हो गया। परिजनों ने स्टाफ पर लापरवाही और बाहर से 2400 की दवा मंगाने का आरोप लगाते हुए विवाद किया।

हंगामें की खबर मिलते ही सीएसपी महेंद्र सिंह और टीआई कोतवाली शंखधर द्विवेदी अस्पताल पहुंचे और समझाइश देकर आश्वस्त किया कि लिखित शिकायत मिलने पर पुलिस जांच करेगी और दोषी पर एक्शन भी लेगी।

मिथलेश ताम्रकार ने रात में फांसी लगा ली थी। परिजन उसे रात करीब साढ़े 10 बजे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर नहीं थे। स्टाफ नर्स से एक महिला डॉक्टर का नंबर मिला, लेकिन डॉक्टर ने गाड़ी न होने का हवाला देते हुए फोन कट कर दिया।

बाद में सिविल सर्जन से संपर्क किया गया, लेकिन जब तक डॉक्टर आए मिथलेश की मौत हो चुकी थी। डॉक्टर ने इलाज के नाम पर 2400 रुपए की दवा भी बाहर से मंगवा ली।

मैहर में पार्षद पति पर मारपीट का आरोप: सिविल हॉस्पिटल मैहर में भी बुधवार को माहौल हंगामाई हो गया। यहां पार्षद पति पर कर्मचारी से मारपीट का आरोप लगा। रात में कुछ साथियों के साथ नशे में धुत्त होकर अस्पताल पहुंचे वार्ड-20 की पार्षद के पति जेपी वर्मा ने ओपीडी पर्ची काटने वाले कर्मचारी राकेश कोरी की पिटाई कर दी।

बात बिगड़ी तो स्टाफ ने हड़ताल की चेतावनी दे दी। खबर मिली तो एडीएम शैलेन्द्र सिंह,तहसीलदार और टीआई अनिमेष द्विवेदी ने अस्पताल पहुंच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया।

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत दुकानदारों पर हुई प्रतिबंधात्मक एवं चालानी कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में गठित तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति द्वारा गुरूवार को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक 1 से धवारी चौराहा एवं कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यवाही की गई है। निरीक्षण के दौरान स्कूल के तीन सौ फ़िट (सौ गज) की दूरी के भीतर तम्बाकू सिगरेट गुटका आदि का विक्रय करने वाले दुकानदारों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही तथा कोटपा एक्ट 2003 की धारा 6 (ब) का उल्लंघन करने पर आठ दुकानदारों पर 600 रूपये की चालानी कार्रवाई की गई है। साथ ही तंबाकू एवं तंबाकू के विभिन्न उत्पाद जैसे गुटका, पाउच, बीड़ी, सिगरेट, खैनी, नस मंजन आदि के सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जन समुदाय को जानकारी देकर इनका सेवन धीरे-धीरे छोड़ने हेतु समझाइश दी गई। दुकानदारों को तंबाकू उत्पाद विद्यालय से तीन सौ फ़िट की दूरी तक एवं अठारह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को विक्रय नहीं करने हिदायत दी गयी। उन्हें भी तम्बाकू उत्पाद का सेवन न करने के लिए प्रेरित किया गया। तम्बाकू से संबंधित सामग्रियों के सेवन पर होने वाले खर्च के स्थान पर फ्रूट एवं पौष्टिक वस्तुओं के सेवन की समझाइश दी गई तथा इनके फायदे भी समझाये गये। कार्यवाही के दौरान अठारह वर्ष से कम उम्र की बच्चों द्वारा भी तम्बाकू उत्पाद बेचना पाया गया। जिसे समझाईस देते हुए अर्थदंड अधिरोपित किया गया।

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम सतना के नोडल अधिकारी डॉ प्रदीप गौतम ने बताया कि सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) 2003 धारा 6 (अ) एवं (ब) के अंतर्गत आगामी समय में भी विद्यालयों को तम्बाकू मुक्त करने के लिए शिक्षा विभाग के सहयोग से कार्यवाही जारी रहेगी। धारा 6 अंतर्गत विद्यालय से 300 फ़िट की दूरी तक तम्बाकू उत्पादों का उपयोग क्रय/विक्रय प्रतिबंधित है। उल्लंघन कर्ताओं पर कार्यवाही एवं जुर्माना इसी तरह अधिरोपित किया जावेगा। कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभिषेक गौड़, अशोक कुर्मी, थाना सिटी कोतवाली अजीत सिंह, राहुल सिंह, मनीष, विक्रम प्रजापति उपस्थिति रहे।

राजस्व या अन्य विभागों से संबंधित प्रकरणों की हुई सुनवाई

पकरिया में आये 70 आवेदन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी रानी बाटड के आदेशानुसार गुरूवार को ग्राम पंचायत पकरिया में राजस्व एवं अन्य विभागो से संबंधित शिकायतो का निराकरण करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, एसडीएम विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, नायब तहसीलदार सुनील दिवेदी, जनपद पंचायत मैहर के अधिकारी-कर्मचारी सहित सीएफटी टीम, सरपंच, सचिव, सहायक सचिव तथा ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

इस दौरान कुल 70 आवेदन प्राप्त हुए जिसमे 61 राजस्व, 4 पंचायत, 1 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, 2 विद्युत विभाग और 2 पुलिस विभाग की शिकायतें प्राप्त हुई। सभी आवेदकों की सुनवाई करते हुए निराकरण के निर्देश दिए गए। आवेदक अर्पण श्रीवास्तव पिता रमाकांत श्रीवास्तव निवासी पकरिया ने बताया कि आराजी क्रमांक 642 है तथा मेरे द्वारा किसान सम्मान निधि के लिए आवेदन किया था। लेकिन अभी तक किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिला है। इसी प्रकार रामपाल सिंह पिता पुरन सिंह निवासी पकरिया ने बताया कि मेरी आराजी 626, 627/2/1 है। असामाजिक तत्वों द्वारा कब्जा करके झोपड़ी बना ली गई है तथा अवैधानिक तरीके से वहां पर कार्य किया जा रहा है। आवेदक द्वारा कई बार शिकायत करने के बाद भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।

बिरसा मुण्डा स्वरोज़गार एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार सदस्यों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर के लिए भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा बताया गया कि भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत एक लाख से 50 लाख रुपये तक की उद्योग परियोजना शामिल है। इसमें आवेदन की आयु 18 से 45 वर्ष, आवेदक 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक न हो और आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो। ब्याज अनुदान अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष ऋण पर 5 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षो तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जायेगा एवं मप्र शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी। इसी प्रकार टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक की स्वरोजगार योजना के लिए हितग्राही की आयु 18 से 55 वर्ष, आवेदक आयकर दाता न हो, और आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो। आवेदक द्वारा समस्त पोर्टल से आवेदन किया जा सकता है।

राजस्व महा अभियान में हल्का पटवारी बी-1 का वाचन करें

सतना निप्र। मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग मंत्रलाय भोपाल द्वारा 18 जुलाई से 31 अगस्त 2024 तक राजस्व महा अभियान 2.0 चलाया जा रहा है। कलेक्टर मैहर श्रीमती रानी बाटड ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मैहर, तहसीलदार अमरपाटन एवं रामनगर को निर्देशित किया है कि राजस्व महाअभियान के दौरान निर्धारित तिथियों में पटवारी अपने-अपने हल्कों में उपस्थित रहकर बी-1 का वाचन करें।

नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

पुणे में ऑन हुआ मोबाइल तो पुलिस ने कसा शिकंजा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र से नाबालिग को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोपी तमाम चालाकियों के बावजूद पुलिस के शिकंजे में फंस गया। उसका मोबाइल फोन ही उसका दुश्मन बन गया नतीजतन पुलिस ने दबोच कर उसे सलाखों के पीछे धकेल दिया।

जानकारी के मुताबिक मैहर की रामनगर थाना पुलिस ने नाबालिग के अपहरण और बंधक बना कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी रजनीश साकेत पिता जियालाल साकेत (28) निवासी मनकहरी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है। बताया गया कि दिसंबर 2023 में आरोपी ने एक नाबालिग को अपने झांसे में लेकर अगवा कर लिया था। वह उसे भगा कर अपने साथ पुणे ले गया और वहां उसके साथ महीनों तक दुष्कर्म करता रहा। पुलिस और परिजन तलाश में थे लेकिन कहीं कुछ पता नही चल पाया था।

हालांकि साइबर सेल की मदद लेकर पुलिस ने आरोपी का मोबाइल सर्विलांस में डलवाया था लेकिन उसने फोन भी बंद कर रखा था। घटना के लगभग 7 माह बाद अभी पिछले दिनों अचानक उसका मोबाइल फोन चालू हुआ जिससे पता चला कि आरोपी पुणे में है।

रामनगर पुलिस ने पुणे की स्थानीय पुलिस से संपर्क कर आरोपी की लोकेशन भेजी लेकिन जब तक पुणे पुलिस एक्टिव हुई तब तक देर हो गई थी और आरोपी वहां से वापस रामनगर के लिए निकल गया था। वह यहां आया और नाबालिग को चुपचाप उसके घर पर छोड़ कर चला गया लेकिन लगातार ट्रेस कर रही पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

सतना-मैहर से रूठे बादल

अब तक हुई औसत बारिश में पिछड़ा सतना, नहीं बरस रहा पानी लेकिन मैहर के आंकड़े बेहतर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्री मानसूनी दौर और फिर मानसून की शुरुआत में बरस कर उम्मीदें जगा गए बादल अब सतना और मैहर जिले से रुठ गए लगते हैं। पिछले कई दिनों से आसमान पर आवाजाही करते रहने के बावजूद लोगों को अब भी बारिश का इंतजार ही करना पड़ रहा है।

बारिश का दौर थमा हुआ है और कड़ी धूप तथा उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल हैं। हालत यह है कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार सतना जिले में आंकड़ों में भी बारिश पिछड़ गई है नतीजतन किसानों के माथे पर भी चिंता की लकीरें गहराने लगी हैं। बारिश मैहर में भी नहीं हो रही लेकिन मैहर में गत वर्ष की अपेक्षा बारिश के आंकड़े बेहतर हैं।

अधीक्षक भू अभिलेख से मिली जानकारी के अनुसार: सतना जिले में इस वर्ष 1 जून से अब तक मौजूदा वर्षा काल मे 173 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि पिछले वर्ष इस अवधि में 206.3 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। सर्वाधिक वर्षा जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 338.9 मि.मी हुई है जबकि सबसे कम 69.7 मिमी वर्षा नागौद तहसील के जसो क्षेत्र में हुई है। इसके अलावा सोहावल (रघुराजनगर) में 128.3 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 152.4 मि.मी, बिरसिंहपुर में 169 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 82 मि.मी., नागौद में 180.5 मि.मी. एवं उचेहरा में 263 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है।

मैहर के अमरपाटन में सर्वाधिक बारिश: मैहर जिले में इस वर्ष 1 जून से अब तक 274.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 151.5 मिमी बारिश रिकार्ड की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख मैहर ने बताया कि सर्वाधिक 318 मिमी बारिश अब तक जिले की अमरपाटन तहसील में हुई है। जिला मुख्यालय मैहर में 216.1 मिमी व रामनगर में 289.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 919.7 मिमी है।

स्वयं सेवी संस्थाओं को आपदा प्रबंधन के प्रशिक्षण का शुभारंभ

समापन आज जिला पंचायत सभागार में

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल, गृह विभाग म.प्र. शासन के निर्देशन में एवं जिला प्रशासन सतना एवं यूनिसेफ मध्यप्रदेश के समन्वय से गुरूवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल, गृह विभाग से कार्यशाला में उपस्थित डॉ. जॉर्ज व्ही. जोसेफसंयुक्त संचालक ने अपने उदबोधन में बताया कि आपदाओं के दौरान स्वयं सेवी संस्थाएं जिला प्रशासन के साथ मिलकर समुदाय को आपदा की स्थिति में मदद पहुचाने का कार्य करती है। स्वयं सेवी संस्थाए ग्राम स्तर पर काम करती है और समुदाय के साथ उनका सीधा संपर्क रहता है इसलिए आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए स्वयं सेवी संस्थाए महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण देकर उनको शसक्त किया जाना चाहिए। अपने उदबोधन में उन्होंने आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005, आपदा प्रबंधन नीति 2009, के साथ-साथ आपदा के पश्चात प्रभावितों पर पडने वाले मनोसामाजिक प्रभाव आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर एल.आर.जांगडे ने अपने उदबोधन में कहा कि स्वयं सेवी संस्थाए आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है इसलिए इस यह प्रशिक्षण सतना जिले के लिए लाभकारी होगा। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सौरभ सिंह ने अपने उदबोधन में कहा कि आपदायें कभी कहकर नहीं आती इसलिए सभी को आपदा के दौरान एवं पश्चात होने वाली स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कार्यक्रम में तकनीकी विशेषज्ञ आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल,गृह विभाग म.प्र.शासन अभिषेक मिश्रा ने भूकंप आपदा के बारे में बताया कि भूकंप को आने से नहीं रोका जा सकता परन्तु भूकंप रोधी भवन निर्माण बनाने अपने पुराने भवनों में रेट्रोफिटिंग कर एवं बड़ी इमारतों में भवनों के अंदर सुरक्षित स्थानों की जानकारी होने से भूकंप आपदा हताहत होने से वचाव किया जा सकता है। कार्यक्रम में सहायक संचालक महिला बाल विकास श्याम किशोर द्विवेदी, जिला समन्वयक म.प्र.जन अभियान परिषद डॉ. राजेश तिवारी सहित लगभग 50 से अधिक स्वयं सेवी संस्थाओं ने सहभागिता की। इस प्रशिक्षण के अगले दिवस शुक्रवार 19 जुलाई को खोज एवं बचाव तकनीक एवं उपकरणों का प्रदर्शन किया जायेगा। इसके साथ ही समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन, आगजनी प्रबंधन, सी.पी.आर. एवं आकाशीय बिजली प्रबंधन के बारे में जानकारी प्रदान की जायेगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।